www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 सांसद अपनी भी समीक्षा करें, संसद की कार्यवाही चलाने की बजाय रोकने की कवायद तेज होने लगी

बलूचिस्तान में ऑनर किलिंग के 13 आरोपी गिरफ्तार 06

वर्ष :17 | अंक :112 | प्रयागराज ,बुधवार 23 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में पुलिसकर्मी के साथ हिरासत में हैवानियत पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनाया सख्त रुख

सीबीआई जांच और 50 लाख मुआवजे का आदेश

हिरासत में प्रताड़ना और मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जम्मू-कश्मीर से सामने आया है जहां एक पुलिस कांस्टेबल के साथ कथित रूप से हुए अत्याचार के मामले में देश की सर्वोच्च अदालत ने कठोर रुख अपनाते हुए राज्य प्रशासन और पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा किया है। हम आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा स्थित ज्वाइंट इंटरोगेशन सेंटर (संयुक्त पूछताछ केंद्र) में एक पुलिस हेड कांस्टेबल के साथ हिरासत के दौरान कथित रूप से किए गए

तरलोक सिंह चौहान होंगे झारखंड हाईकोर्ट के 17वें मुख्य न्यायाधीश

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान को राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार सुबह 10 बजे राजभवन के बिरसा मंडप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. वे झारखंड हाईकोर्ट के 17वें मुख्य न्यायाधीश होंगे. इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे. इसके अलावा झारखंड हाईकोर्ट ने न्यायाधीशगण, वरिष्ठ अधिकारी गण और अधिवक्ताओं के अलावा अन्य गणमान्य मौजूद रहेंगे. नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण को लेकर राजभवन के बिरसा मंडप में जोर-शोर से तैयारी चल रही है. अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि शपथ ग्रहण के बाद मुख्य न्यायाधीश सीधे हाईकोर्ट पहुंचकर दायित्व संभाल लेंगे. इससे पहले मंगलवार 22 जुलाई को रांची एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया. उनके साथ परिवार के कई सदस्य रांची पहुंचे हैं.जस्टिस तरलोक सिंह चौहान का परिचयतरलोक सिंह चौहान मूल रुप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं. वर्तमान में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में सीनियर जज के थे. उनकी स्कूली शिक्षा शिमला में हुई है. उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ की पढ़ाई की. साल 1989 में उन्होंने वकालत शुरू की और 2014 में न्यायिक सेवा से जुड़े और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने.सुनहरा रहा है झारखंड हाईकोर्ट का इतिहासझारखंड हाईकोर्ट का इतिहास बेहद सुनहरा रहा है. जस्टिस विनोद कुमार गुप्ता झारखंड हाईकोर्ट के पहले मुख्य न्यायाधीश थे. बाद में उनको हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था. इस पद को शुशोभित करने वाले कई मुख्य न्यायाधीशों ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश पद की जिम्मेदारी संभाली.

इंडिया गठबंधन का एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन

यह लोकतंत्र की हत्या... बिहार में एसआईआर अभ्यास को लेकर भड़कीं प्रियंका गांधी, विरोध प्रदर्शन में हुईं शामिल

विरोध प्रदर्शन

विपक्षी सांसदों ने नहीं चलेगा-नहीं चलेगा, एसआईआर नहीं चलेगा और वोटबंदी बंद करो के नारे लगाए। कई सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा, हम इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएंगे।

एजेंसी

एसआईआर के खिलाफ बिहार में विपक्ष का प्रदर्शन

तेजस्वी बोले- बेशर्म हो गया है चुनाव आयोग

तेजस्वी यादव ने कहा कि हम कोर्ट में, सड़क पर, सदन में लड़ रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग बेशर्म हो गया है। चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। सुप्रीम कोर्ट के सुझावों के बाद भी उन्होंने आधार या राशन कार्ड की भूमिका के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। बिहार में विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विधानसभा चुनाव से पहले लोगों के मताधिकार को छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

चलेगा, एसआईआर नहीं चलेगा और वोटबंदी बंद करो के नारे लगाए। कई सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा, हम इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि रातों-रात लाखों लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाए।उन्होंने कहा कि सरकार और निर्वाचन आयोग को इस मामले में अपने कदम पीछे खींचने होंगे।

मानसून सत्र की बड़ी बातें...

- लोकसभा 4 बार स्थगितः विपक्ष ने लोकसभा में पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा किया। विपक्षी दलों की मांग थी कि सरकार का प्रमुख होने के नाते प्रधानमंत्री इन मुद्दों पर जवाब दें। इसके चलते लोकसभा 4 बार स्थगित हुई।
- स्पीकर को जस्टिस वर्मा को हटाने ज्ञापन सौंपाः जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के संबंध में स्पीकर ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा गया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा किया गया मंजूर

प्रधानमंत्री मोदी ने बेहतर स्वास्थ्य की कामना की

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इस मंजूरी को गृह मंत्रालय को भेज दिया गया है और जल्द ही एक आधिकारिक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का दौर शुरू हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उनकी सराहना की और जनसेवा के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने धनखड़ के पूरे कार्यकाल में विभिन्न पदों पर उनके योगदान की सराहना की और उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री

> सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने धनखड़ के पूरे कार्यकाल में विभिन्न पदों पर उनके योगदान की सराहना की और उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की।

मोदी ने कहा, जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित विभिन्न पदों पर देश की सेवा करने के कई अवसर मिले हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने त्यागपत्र में धनखड़ ने कहा कि वह स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। राष्ट्रपति को लिखे पत्र में उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूँ। 74 वर्षीय धनखड़ ने अगस्त 2022 में पदभार ग्रहण किया था और उनका कार्यकाल अगस्त 2027 तक था।

चुनावी सत्यापन पर बंटा सिस्टम

ईसी ने सुप्रीम कोर्ट को गिनाई दस्तावेजों की खामियां

एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव करते हुए सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि आधार, मतदाता पहचान पत्र या राशन कार्ड को मतदाता पात्रता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है और नागरिकता का प्रमाण मांगने के अपने संवैधानिक अधिकार पर जोर दिया। सोमवार शाम को प्रस्तुत एक विस्तृत हलफनामे में, चुनाव आयोग ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे प्राप्त शक्तियाँ उसे मतदाता सूची तैयार करने सहित चुनाव के सभी पहलुओं की निगरानी और निर्देशन का पूर्ण अधिकार प्रदान करती हैं। आयोग ने तर्क दिया कि यह संवैधानिक आदेश, अनुच्छेद 326 के तहत निर्धारित भारतीय नागरिकता की आवश्यकता सहित मतदाता पात्रता की जाँच करने का अधिकार देता है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता साबित न कर पाना किसी की नागरिकता समाप्त करने के समान नहीं है। यह हलफनामा कई विपक्षी सांसदों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में आया है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया की वैधता, समय और तरीके को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को एसआईआर की वैधता की जाँच करने पर सहमति जताई और आग्रह किया।

> आयोग ने तर्क दिया कि यह संवैधानिक आदेश, अनुच्छेद 326 के तहत निर्धारित भारतीय नागरिकता की आवश्यकता सहित मतदाता पात्रता की जाँच करने का अधिकार देता है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता साबित न कर पाना किसी की नागरिकता समाप्त करने के समान नहीं है। यह हलफनामा कई विपक्षी सांसदों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में आया है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया की वैधता, समय और तरीके को चुनौती दी गई है।

या तो सरकार जानती है या वह...

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर बोले मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर टिप्पणी करने से परहेज करते हुए कहा कि या तो सरकार या फिर वह खुद इसका कारण जानते हैं। मीडिया से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि केवल वही कारण जानते हैं। हमें इस पर कुछ नहीं कहना है। या तो सरकार जानती है या वह जानते हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार करना या न करना सरकार पर निर्भर है।शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि उपराष्ट्रपति की तबीयत इतनी खराब नहीं हुई है कि उन्हें इस्तीफा देना पड़े। किसी ने उनकी तबीयत खराब कर दी है... सत्ताधारी पार्टी चुप है। इसका मतलब है कि कुछ गड़बड़ है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि यह अचानक नहीं हो सकता। कल वह सदन की अध्यक्षता कर रहे थे और आज उन्होंने इस्तीफा दे दिया। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें लंबी और स्वस्थ आयु प्रदान करें। उनके इस्तीफे का कोई और कारण है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए फैसलों में पारदर्शिता नहीं है ...प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, यह भी चौंकाने वाला है।

> राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए फैसलों में पारदर्शिता नहीं है...प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, यह भी चौंकाने वाला है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा चौंकाने वाला और आश्चर्यजनक है।

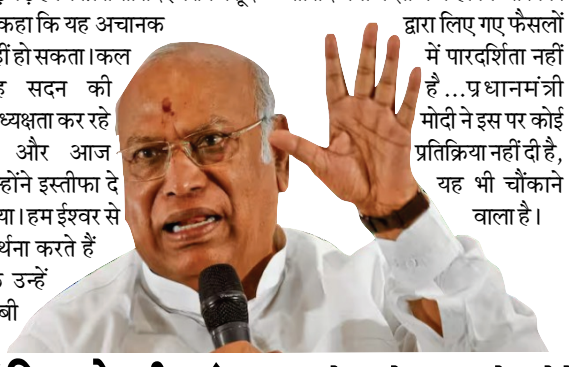

गाय तो गाय ही है...

तिरुपति मंदिर में देसी गाय के दूध से बने प्रसाद के इस्तेमाल वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

एजेंसी

सर्वोच्च न्यायालय ने उस रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि तिरुमाला स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान वेंकटेश की पूजा के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दूध केवल देशी गायों से ही लिया जाए। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ द्वारा मामले की सुनवाई में अनिच्छा व्यक्त करने के बाद, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने याचिका वापस ले ली।

तेज हुई जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की मांग

कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

> जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि राज्य की मांग अब जन आंदोलन में बदल गई है। हम सरकार पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

एजेंसी

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले। हम इसके लिए संघर्ष करने को तैयार हैं। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ

अन्याय किया है और प्रधानमंत्री मोदी हर चुनाव में वादा करते हैं कि वे जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देंगे। लेकिन वे कभी वादा पूरा नहीं करते। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि राज्य की मांग अब जन आंदोलन में बदल गई है। हम सरकार पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए दबाव डाल रहे हैं। कांग्रेस सांसद (एमपी) के सी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा था कि भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) ब्लॉक संसद के मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रयास करेगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा की कथित नजरबंदी और श्रीनगर स्थित पार्टी कार्यालय को सील करने की कड़ी निंदा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दर्जे को लेकर पिछले आश्वासनों पर सवाल उठाए।

कांग्रेस को 199 करोड़ डोनेशन पर टैक्स से राहत नहीं

ट्रिब्यूनल में याचिका खारिज, 6 साल पहले पार्टी ने जीरो इनकम बताकर टैक्स भरा था

कांग्रेस ने टैक्स रिटर्न में धारा 13ए के तहत डोनेशन में मिले 199.15 करोड़ रुपए की छूट का दावा करने के बाद अपनी इनकम जीरो बताई थी।कांग्रेस को डोनेशन में 14.49 लाख रुपए कैश भी मिले थे

एजेंसी

नई दिल्ली , इनकम टैक्स अपील ट्रिब्यूनल ने मंगलवार को कांग्रेस को डोनेशन में मिले 199 करोड़ रुपए पर टैक्स में छूट देने से जुड़ी याचिका खारिज कर दी। ट्रिब्यूनल ने आयकर रिटर्न देर से दाखिल करने और नकद दान की सीमा के उल्लंघन को इसकी वजह बताया।दो सदस्यीय बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि 2 फरवरी, 2019 को दाखिल किया गया कांग्रेस का टैक्स रिटर्न, उसे छूट के लिए योग्य बनाने के लिए निर्धारित तिथि के भीतर नहीं है। ट्रिब्यूनल ने टैक्स अफसरों के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पार्टी को डोनेशन के रुपयों पर भी टैक्स देना होगा दरअसल, कांग्रेस ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में धारा 139(1) के तहत 2 फरवरी, 2019 को इनकम टैक्स रिटर्न भरा था। हालांकि टैक्स भरने की डेडलाइन 31 दिसंबर, 2018 थी।

आरोप विपक्ष पर लगाया दोहरे मापदंड का आरोप

गिरिराज सिंह ने बिहार मतदाता सूची संशोधन का किया बचाव

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव किया और संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। इंडिया गठबंधन के नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए, सिंह ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया मौजूदा सरकार के समय से चली आ रही है और विपक्ष पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूँ कि क्या वे संविधान में विश्वास करते हैं? अगर हाँ, तो क्या 2003 में जब मतदाता सूची में संशोधन हुआ था, तब

नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री थे? यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। आप संविधान को कुचलते हैं लेकिन बाबा साहेब का नाम लेते हैं। वे किसी और चीज को लेकर चिंतित हैं; वे रोहिंग्याओं, बांग्लादेशियों और उनके साथ क्या होगा, इसकी चिंता कर रहे हैं। इसलिए वे डरे हुए हैं। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि विपक्ष को संविधान से सख्त नफरत है। संसद और सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक संस्थाएँ हैं। वे सुप्रीम कोर्ट गए और जब वहाँ इसे रोक नहीं पाए, तो अब संसद में इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। मेरा मानना है कि इस समय सभी राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि उनके जो मतदाता छूट गए हैं, उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज हों। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच, मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में भारी व्यवधान का सामना करना पड़ा। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 23 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा और राज्यसभा बुधवार सुबह 11 बजे फिर से बैठक करेंगे। इससे पहले आज, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

> इंडिया गठबंधन के नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए, सिंह ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया मौजूदा सरकार के समय से चली आ रही है और विपक्ष पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन बोले, अस्पताल में रहते हुए भी ड्यूटी जारी रख रहा हूँ

एजेंसी

नयी दिल्ली।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को घोषणा की कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद वह अपने सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। स्टालिन ने पर पोस्ट किया कि मैं अस्पताल में रहते हुए भी सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहा हूँ। उन्होंने बताया कि 'स्टालिन विद यू' परियोजना के तहत शिविरों की स्थापना, जिसका उद्देश्य जन शिकायतों का समाधान करना और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाना है, योजना के अनुसार चल रही है। स्टालिन ने कहा कि स्टालिन विद यू शिविर योजना के अनुसार चल रहे हैं, कल तक कितनी याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया - मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के स्वास्थ्य पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बताया कि मुख्यमंत्री ठीक हैं और डॉक्टर जल्द ही चिकित्सा संबंधी जानकारी देंगे। उप-मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, मुख्यमंत्री की हालत में सुधार हो रहा है।

> स्टालिन ने कहा कि स्टालिन विद यू' शिविर योजना के अनुसार चल रहे हैं, कल तक कितनी याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया - मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो।

याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया - मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के स्वास्थ्य पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बताया कि मुख्यमंत्री ठीक हैं और डॉक्टर जल्द ही चिकित्सा संबंधी जानकारी देंगे। उप-मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, मुख्यमंत्री की हालत में सुधार हो रहा है।

सम्पादकीय

सामने आते अतीत के अनछुए पहलू, भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं इतिहास की समझ सामान्य बोध से अधिक पुरानी और विस्तृत

मथुरा से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बहज गांव सरस्वती बेसिन की सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने वाली कड़ी है। कुल मिलाकर खोदाई में मिले ये पुरावशेष साफ-साफ बता रहे हैं कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास की समझ सामान्य बोध से अधिक पुरानी और विस्तृत है। बस जरूरत है तो तमाम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर भारत के गौरवशाली अतीत को नए नजरिए से देखने की। पिछले कुछ महीनों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तिलवाड़ा साकिन, हरियाणा के टोपरा कलां और राजस्थान के बहज नामक पुरातत्व स्थलों से ताम्रयुगीन, महाभारतकालीन, मौर्यकाल, शुंग काल और कुषाण काल के अनेक महत्वपूर्ण पुरावशेष मिले हैं। तिलवाड़ा साकिन गांव में हुए उत्खनन से 4,000 साल पुराने रथ का पहिया मिला है, जो तांबे की परत से ढका हुआ है। 1900 से 1500 ईसा पूर्व के तांबे की कटारें, तलवारें, औजार मिले हैं। तिलवाड़ा साकिन से केवल 10 किमी दूर सिनौली गांव से भी तांबे की परत चढ़े तीन युद्ध रथ और अति दुर्लभ लकड़ी के ताबूत में संरक्षित किए गए आठ मानव कंकाल, युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले कवच, हेलमेट, तांबे की तलवारें, खंजर, स्वर्ण आभूषण प्राप्त हुए हैं। सिनौली में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने सर्वप्रथम 2005 में उत्खनन कार्य कराया था। तब पुरातत्वविदों को यहां से करीब 116 मानव कंकाल, स्वर्णनिधि (बड़ी संख्या में सोने के कंगन, सोने के मनके और सोने की मानवाकृति) प्राप्त हुई थी। तिलवाड़ा साकिन और सिनौली में मिले पुरावशेषों में एकरूपता की झलक मिलती है। यह पूरा परिक्षेत्र कुरु वंश की राजधानी हस्तिनापुर के अंतर्गत आता था। तिलवाड़ा और सिनौली की खुदाई में जो बर्तन और दाह संस्कार के प्रमाण मिले हैं, वे महाभारत, रामायण और वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कथाओं से मेल खाते हैं। दोनों स्थलों से मिले गेरूए मृदभांड और तांबे के बर्तनों की संरचना, नक्काशी और आकार एक जैसा है। इन दोनों स्थलों से मिले अवशेषों की कार्बन डेटिंग भी हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे पुरानी योद्धा जनजातियों में से एक यहां निवास कर रही थी। ये लोग प्रवासी नहीं, बल्कि हड़प्पा सभ्यता से अलग संस्कृति वाले स्वदेशी योद्धा थे। इससे यह भी पता चलता है कि वैदिक युग के लोग बहुत कुशल कारीगर थे। उन्हें धातु पिघलाना, उसे ढालना और लकड़ी पर तांबे की परत चढ़ाना अच्छी तरह आता था। महिलाओं के कंकालों के साथ मिली तलवारें और अन्य पुरावशेष इस बात के सुबूत देते हैं कि प्राचीन भारत में महिलाओं की सामाजिक हैसियत पुरुषों के बराबर थी।

आज का विचार

सांसद अपनी भी समीक्षा करें, संसद की कार्यवाही चलाने की बजाय रोकने की कवायद तेज होने लगी

सरकार के लिए विधेयक अहम हैं। कई बार तो यह सुविधाजनक भी होता है कि अवरोध में ही विधेयक पारित करा लिए जाएं लेकिन सवाल विपक्ष का है कि वह सरकार के मुफीद ऐसा माहौल बनाता ही क्यों है? इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन एक बड़ा कारण होता है हर दो-तीन महीने में होने वाले चुनाव। ऐसे में सबको वही मुद्दे चाहिए जो गर्मी पैदा कर सकें।

पा संविधान, लोकतंत्र तो कुछ अरसे से राजनीति में चर्चा के केंद्र में है ही, लेकिन वक्त आ गया है कि अब विधायिका पर भी चर्चा हो और इसका ठोस आकलन हो कि संसद जन आकांक्षाओं को पूरा कर पा रही है या नहीं? यदि नहीं तो इसके लिए उत्तरदायी कौन हैं, कितना हैं और क्यों हैं? संसद सही तरह से तब काम करेगी, जब पक्ष-विपक्षी के दल यानी सांसद अपना काम ठीक से करेंगे। संसद के सदस्यों को कैसे जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए, एक स्वतंत्र एजेंसी इसका पूरा अध्ययन कर जनता के सामने रख दे कि किसे जिम्मेदार माना जाए? संसदीय परंपरा, नियम-कानून की कसौटी पर यह अध्ययन हो और उसे सार्वजनिक किया जाए। यह इसलिए जरूरी हो गया है, क्योंकि साल दर साल संसद की कार्यवाही चलाने की बजाय रोकने की कवायद तेज होने लगी है। बहस की गुणवत्ता के बजाय शोर के जोर से सफलता आंकी जाने लगी है। जनता के असल मुद्दों के बजाय आमतौर पर सतही राजनीतिक और चुनावी मुद्दे हावी होने लगे हैं। याद कीजिए कि किसी संसदीय सत्र से पहले ऐसी खबर पढ़ी क्या कि सत्र बहुत फलदायक होने वाला है... । यह खबर हर बार पढ़ी होगी कि हंगामेदार रहेगी। आरोप-प्रत्यारोप इस पर चलता है कि संसद चलाने की जिम्मेदारी किसकी है? सरकार विधेयक लेकर आती है। विपक्ष के पास पूरा अधिकार होता है कि उन पर अपने विचार रखे, लेकिन विपक्ष का एजेंडा तय करता है कि सदन की कार्यवाही चल पाएगी या नहीं? राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों में थोड़ी भी रुचि रखने और दलगत राजनीतिक हित से अधिक देश की चिंता करने वाले किसी जागरूक नागरिक से यदि पूछा जाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत-पाक सैन्य टकराव रुकवाने का जो दावा किया गया, उस पर प्रधानमंत्री मोदी और सरकार का क्या कहना है? जवाब यही आएगा कि प्रधानमंत्री ने उस दावे को कड़ाई से तब खारिज कर दिया था, जब वह कनाडा गए थे और वहां से ट्रंप पर फोन से बात की थी। आपरेशन सिंदूर के बाद कई देशों में गए संसदीय प्रतिनिधिमंडल में सब दलों के सांसदों ने वैश्विक मंच पर क्या कहा, सबको पता है। इन प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस के भी कई सांसद थे। आखिर संसद में विपक्ष क्या जानना चाहता है? ट्रंप के बड़बोलेपन से दुनिया परेशान है। जिन देशों के साथ वह व्यापार समझौते की घोषणा कर रहे हैं, वे अचंभित हैं, लेकिन हमारे तमाम विपक्षी सांसद हैं कि उन्हें ट्रंप के बडबोले बयानों और बेतुके दावों पर चर्चा करनी है। आपरेशन सिंदूर में सेना की वीरता पर देश का सीना गर्व से चौड़ा है। संसद में बहस करना चाहें तो कर लें, लेकिन क्या सेना की रणनीति पर चर्चा करेंगे या सेना को यह बताने की कोशिश करेंगे कि सैन्य रणनीति कैसे बनाई जाती है? ऐसे मुद्दों पर संसदीय स्थायी समिति में खुलकर बात हो सकती है, लेकिन जोर सदन में चर्चा का है। बिहार में चुनाव आयोग की ओर से चल रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। पहली सुनवाई में कोर्ट ने रोक लगाने से इन्कार कर दिया और संभवतः अगले सप्ताह फैसला आ सकता है। फिर चर्चा किस चीज पर? फिलहाल तो सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के अधिकार को माना है और केवल समय को लेकर और नागरिकता तय करने के संदर्भ में सवाल उठाया है। आखिर हर संसद सत्र में घड़ी की सुई को पीछे लाने की कोशिश क्यों होती है? सदन में जरूरी मुद्दों पर चर्चा होनी ही चाहिए, लेकिन उस चर्चा का सार्थक होना भी जरूरी है, खासकर तब जब संसद साल में बमुश्किल 40-50 दिन ही सुचारू हो पाती है दलों की ओर से मांग की जाती रही है कि साल में कम से कम सौ दिन सत्र चलना चाहिए, लेकिन अब इस मांग की ईमानदारी पर भरोसा नहीं होता। चाहें तो सदस्यों की उपस्थिति का रजिस्टर देख लें। क्या वक्त नहीं आ गया है कि सदस्यों की उपस्थिति को जरूरी किया जाए। कुछ देशों में ऐसे नियम हैं। अवरोध कम करने के लिए कुछ वर्षों से राज्यसभा में प्रश्नकाल से पहले शून्यकाल कर दिया गया है। इसका थोड़ा सकारात्मक असर दिखा है। लोकसभा में भी इस पर विचार होना चाहिए। इसके भी ठोस नियम बनने चाहिए कि सप्ताह में चार दिन केवल सूचीबद्ध विषयों पर ही कार्यवाही चलेगी। आखिरकार सप्ताह के लिए बनने वाले एजेंडे में तो सभी बड़े दल शामिल होते ही हैं। ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं, जो सख्त नियम-कायदे को लोकतंत्र के ही खिलाफ बताएंगे, लेकिन संसदीय अराजकता और मनमानी को भी तो लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। बात किसी दल की नहीं, सरकार और विपक्ष के मानसिकता की है। संसद को सही तरह चलना ही होगा। कई विधानसभाएं ऐसी हैं, जो साल में 30 दिन भी नहीं चलती हैं, जबकि संविधान में अधिकतम छह महीने में सत्र बुलाने की बाध्यता है। कुछ समय पहले तक दिल्ली में तो विधानसभा को राजनीतिक मंच बना दिया गया था। यहां आम आदमी पार्टी की सरकार कवच ओढ़कर मोदी सरकार पर मनचाहे आरोप लगाती थी, क्योंकि विधाई सदन में की गई टिप्पणियों पर कोर्ट में केस नहीं किए जा सकते। दो दिन के सत्र बुलाए जाते थे, फिर रोक दिए जाते थे। फिर इच्छा के अनुसार सत्र आहूत कर लिया जाता था। जिस विधाई सदन में बहुमत के लिए राजनीतिक दल कमर कसे खड़े होते हैं, उसे प्रासंगिक बनाने, सुचारू करने में किसी की रुचि नहीं दिखती। सरकार के लिए विधेयक अहम हैं। कई बार तो यह सुविधाजनक भी होता है कि अवरोध में ही विधेयक पारित करा लिए जाएं, लेकिन सवाल विपक्ष का है कि वह सरकार के मुफीद ऐसा माहौल बनाता ही क्यों है? इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन एक बड़ा कारण होता है हर दो-तीन महीने में होने वाले चुनाव। ऐसे में सबको वही मुद्दे चाहिए, जो गर्मी पैदा कर सकें। ब्रेकिंग न्यूज बना सकें। आरोप-प्रत्यारोप का मंच दे सके। क्या मान लेना चाहिए कि संसद तभी सुचारू ढंग से चल पाएगी और प्रासंगिक हो पाएगी, जब लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करा लिए जाएं? एक साथ चुनाव कई मर्ज की दवा साबित हो सकता है। तब गृहमंत्रालय के पास भी एनआरसी को पूरा करने का वक्त होगा और चुनाव आयोग के पास मौका होगा कि उसके आधार पर मतदाताओं की सूची दुरुस्त कर ले।

राशिफल

मेष राशि: आपका दिन सोच-समझकर फैसले लेने वाला होगा। अगर आप व्यापार के मामले में कोई निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो पहले अच्छी तरह हर पक्ष को जरूर देख लें। साथ ही, भविष्य के लाभ के बारे में भी एक बार जरूर सोचें तभी जाकर आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे।

वृषभ राशि : दिन अच्छा रहने वाला है। व्यापार के मामले में आपके दूर तक सोचने वाला व्यवहार कामकाज पर में भी नजर आएगा। इसी के चलते आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। कार्यस्थल पर आपके अनुभव की दूसरे लोग भी सराहना करेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। मिथुन राशि करियर राशिफल: धन का करें सही उपयोग

मिथुन राशि: कार्यक्षेत्र में वातावरण सुधरता नजर आ सकता है। जिससे आपका तनाव कम होगा और इसी के चलते स्वास्थ्य भी बेहतर होता जाएगा। व्यापार के मामले में अगर आप अपना धन किसी सही योजना या निवेश में लगाते हैं, तो इससे लाभ प्राप्त हो सकता है।

कर्क राशि: व्यापार के मामले में आपके लिए परिस्थितियां बदल सकती हैं। अगर आपके कुछ जरूरी कार्य या लाभ कहीं बीच में अटके हुए थे तो अब सारी बाधाएं दूर हो सकती हैं। आपको कड़ी मेहनत का फल अब प्राप्त होने लगेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह राशि: कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अगर आपके जरूरी कार्यों में देरी हो रही है, तो इसका तनाव न लें। ये परेशानियां एक दो दिन के भीतर दूर हो जाएंगी और आपके काम पूरे होने लगेंगे। इससे आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

कन्या राशि: काम धंधे के क्षेत्र में आपको अपने अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करना होगा तभी सफलता प्राप्त होगी। जीवन में कुछ बदलाव के लिए आप कहीं घूमने जाने का प्लान भी बना सकते हैं। इससे आपको थोड़ा बेहतर महसूस होगा।

तुला राशि : व्यापार के मामले में आपके लिए धन निवेश करना फायदेमंद हो सकता है। इससे कुछ मुश्किल परिस्थितियां संभाली जा सकती हैं और बेहतर लाभ प्राप्त होने की भी संभावना है।

वृश्चिक राशि : कार्यक्षेत्र में आपने जो पहले निर्णय लिए थे वे अब लाभदायक साबित हो सकते हैं। धन लाभ के भी अच्छे योग बन सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी व्यक्ति के द्वारा किया गया परोपकार आपके लिए वरदान साबित हो सकता है।

धनु राशि: व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा। नौकरी करने वालों के लिए भी समय अनुकूल है। वहीं, घर-परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकता है और विवाह योग्य सदस्य के लिए रिश्ते की बात भी हो सकती है।

मकर राशि: अगर कार्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति के साथ आपका विवाद चल रहे है तो उसे बातचीत के जरिए सुलझाना होगा। साथ ही, नए संपर्क बनाने से आपको व्यापार में लाभ हो सकता है। इसके अलावा, अगर किसी मित्र के साथ अनबन चल रही थी तो वह भी अब दूर हो सकती है

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपको अपने आसपास के सही और गलत लोगों के बीच में पहचान करनी होगी, अन्यथा आपका सम्मान कम हो सकता है। वहीं, अगर पिता से जुड़ी किसी संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है, तो वह अब सुलझ सकता है।

मीन राशि: कामकाज में आपका मन थोड़ा कम लग सकता है और थोड़ी सुस्ती महसूस होगी। किसी चीज के बारे में ज्यादा सोचने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है या स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी अविश्वसनीय व्यक्ति के चलते आपकी मान-प्रतिष्ठा कम हो सकती है। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी होगा और खुद को संतुलित बनाए रखें।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हिंदी भाषा का वैश्विक जनाधार

संजीव ठाकुर

वर्तमान में हिंदी भाषा वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद और व्यवसाय बड़ा माध्यम हो गई है और वैश्विक स्तर पर हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज चैनल में न्यूज एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 141करोड़ उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है।जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता ।यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी,वी व्हाट्सएप,फेसबुक,ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 141 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका,मॉरीशस,फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया,न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रॉस, इटली, जापान,चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चला आता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर,व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है।

डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है इसके इतर 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल हृदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है। वर्तमान में विश्व में लगभग 45 करोड़ से अधिक लोग हिंदी भाषा बोलते हैं, इसकी सरलता विश्व के लोगों को प्रभावित करती जा रही है, भारत के विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कवियों, फिल्मी गीत कारों के प्रयासों से हिंदी ने वैश्विक रूप लिया है। हिंदी को वैश्विक रूप से उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए फिल्म निमार्ताओं गीतकार एवं संगीत, गानों का भी बड़ा योगदान रहा है। हिंदुस्तान में बनी फिल्म को विदेशों में रह रहे भारतीय तथा अन्य भाषाई लोग उसके गीतों तथा उसके संवाद के कारण उस फिल्म को देखने जाते हैं, जिससे सीधे-सीधे भारतीय फिल्मकारों को विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है। इस तरह उपभोक्तावाद, बाजारवाद के नजरिए से देखें तो हिंदुस्तानी उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। जिससे हिंदी भाषा न सिर्फ बाजारवाद की भाषा बनी है, बल्कि साहित्यिक रूप से भी गीत, गजल और गानों के रूप में समृद्ध हुई है। वर्तमान में हिंदी न सिर्फ हिंदुस्तान में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होती जा रही है। भारत में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस मना कर एवं वैश्विक स्तर पर विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता रहा है। इस संदर्भ में पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार तथा विस्तार को कोई भाषा रोक नहीं सकती है। हिंदी भारत की एकमात्र ऐसी भाषा है, जिसके माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न भाषा वासी लोग आपस में अपने विचारों का आदान-प्रदान सकते हैं। एनी बेसेंट ने हिंदी भाषा को लेकर काफी सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं मैं जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह हिंदी है। वह व्यक्ति जो हिंदी जानता है पूरे भारत में किसी भी प्रांत की यात्रा कर सकता है और हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। अब तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने उत्पादों का प्रचार प्रसार पूर्णता हिंदी में करना शुरू कर दिया। इसी तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि हिंदी वैश्विक बाजार वाद या उपभोक्तावाद की सबसे बड़ी एवं सशक्त भाषा बन गई है, तो यह अतिरेक नहीं होगा। अंग्रेजी जरूर अंतर राष्ट्रीय भाषा है,पर हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोले जाने वाली द्वितीय भाषा तो जरूर है ही, एवं उपभोक्ताओं के लिए यह प्रथम स्थान रखती है।भारत में हिंदी भाषा सभी प्रांतों सभी राज्यों को एकता के सूत्र में पिरोने वाली एक मातृभाषा स्थापित रूप से है। इसीलिए इसे राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा का वास्तविक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता है।

महादेव का महापर्व : कावड़ यात्रा

डॉ. नीरज भारद्वाज

भारतवर्ष देवताओं की भूमि है, यहां देवताओं ने मानव देह में जन्म लिया है। यह सभी कुछ हमारे वेदों, शास्त्रों में बताया गया है। हमारे वेद, शास्त्र, पुराण, उपनिषद आदि सभी ज्ञान के विपुल भंडार हैं। इनमें जो लिखा है उसी के आधार पर समाज, पर्यावरण, चिकित्सा, शिक्षा आदि सभी को अच्छे से जाना-समझा जा सकता है। भारतीय और वैश्विक समाज हमारे ग्रंथो के ज्ञान की ताकत को जानते-समझते रहे हैं। हमारे ग्रंथो को कितने ही आक्रमणकारी यहां से अपने देश ले गए, फिर उनका अनुवाद कर अपने अनुसंधान और शोध को आगे बढ़ाया। अपनी भाषा में प्रकाशित कर उसे अपना बना लिया। आक्रमणकारियों ने हमारे ग्रंथो को जला दिया, उसे फाड़कर बहा दिया। इस देश की पावन पुनीत भूमि में ज्ञानियों की कमी नहीं रही है। हमारे संतों, महात्माओं, मनीषियों ने अपने तपोबल और व्रत से ज्ञान की उस धारा को फिर से प्रबल रूप से जीवित कर दिया। समय के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को देने में कुछ कमियां भी रह गई होगी, लेकिन ज्ञान का प्रवाह जीवित है और आगे भी रहेगा। हमारे शास्त्र हमारे आदर्श हैं। उन्हीं के आधार पर हम अपने तीज, त्योहार, व्रत, पावन बेला आदि को मनाते हैं। हमारे शास्त्रों में लिखा एक-एक शब्द सत्य है, उसे कोई काट नहीं सकता। हमारे शास्त्रों में देव पूजा के बारे में भी बताया-समझाया गया है। हमारे देवों के देव हैं- महादेव अर्थात भोले शंकर। महादेव को कितने ही अन्य नामों से भी जाना जाता है- चंद्रशेखर, त्रिलोचन, नीलकंठ आदि। हर एक नाम के पीछे एक लंबी कथा है। मां गंगा और गंगाजल की सभी कथाएँ महादेव से जुड़ी हैं। हम यहां गंगाजल की पावन यात्रा अर्थात कावड़ यात्रा पर बात कर हैं। हरिद्वार और गोमुख के पावन तट से करोड़ों श्रद्धालु गंगाजल लेकर अपनी कावड़ यात्रा अपने-अपने ग्राम देवता, इष्ट देवता आदि पवित्र स्थानों पर ले जाकर करते हैं। कुछ युवा तो हरिद्वार से रामेश्वरम तक कावड़ लेकर जाते हैं। कावड़ यात्रा के पवित्र गंगाजल को भक्त भगवान शिव को अर्पित करते हैं। कावड़ यात्रा में पवित्र गंगाजल को भक्त अपने अलग-अलग अंदाज में लेकर आते हैं- झूला कावड़, खड़ी कावड़, डाक कावड़ आदि। इस कावड़ यात्रा में गाते-बजाते-नाचते भोले मस्त होकर चलते हैं। अब तो कावड़ यात्रा में झांकी रूपी कावड़ भी आने लगी हैं। भोले शंकर की झांकियां हरिद्वार से दिल्ली और अन्य स्थानों तक दिखाई दे जाती हैं। महंगे गाजे-बाजे, डीजे, नाचते-गाते भक्त रास्ते भर दिखाई दे जाते हैं। भगवान शंकर की अलग-अलग मुद्राओं की झांकियां देखते ही बनती हैं। मनमोहक दृश्य किसी में भी रोमांच भर देता है।

कावड़ यात्रा में हर आयु, वर्ग, लिंग का व्यक्तित्व मिल जाता है। छोटे-छोटे बच्चे, युवा, वृद्ध, माताएं-बहनें आदि अपने-अपने समूह में चलते दिखाई दे जाते हैं। कोई युवा साथी तो अपने माता-पिता को ही तराजू रूपी झूले में बैठकार चल रहा है तो कोई सेना की मिसाइल का मॉडल कावड़ रूप में लेकर चल रहा है। कावड़ यात्रा का यह पर्व सावन महीने से आरंभ होता है। भारतवर्ष के किसी क्षेत्र में यह कावड़ यात्रा आधे महीने तक चलती है तो कहीं पूरे सावन महीने तक चलती है। कहीं सावन के हर सोमवार को भोलेनाथ पर पवित्र कावड़ से जल चढ़ाया जाता है। भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों में ऐसे ही प्रेम, भक्ति, शक्ति, योग, सेवा भाव आदि गुण भरते रहें। एक अनुमान यह भी बताता है कि इस वर्ष हरिद्वार और गोमुख से पाँच करोड लोग कावड़ उठाकर अपनी यात्रा पूरा करने वाले हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार कर रही हैं, अभूतपूर्व व उल्लेखनीय कार्य : केशव प्रसाद मौर्य

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए किए जा रहे हैं, उत्कृष्ट कार्य

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामग्री को देश व विदेश में विपणन हेतु सरकार लगातार प्रयत्नशील है और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं । स्वयं सहायता समूह महिला सशक्तिकरण के शक्ति केंद्र के साबित हो रहे हैं। श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों से महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांति आई है। उन्होंने कहा कि सरकार सबका साथ- सबका विकास -सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार व समाज की सहभागिता से समूह स्वावलंबी तो होंगे ही और विकास की नई ऊंचाइयों को भी छुएंगे। महिलाएं जो काम करती हैं ,उसमें सफलता अवश्य मिलती हैं । सरकार उनके सहयोग के लिए हमेशा तैयार है ।महिला स्वयं सहायता समूह वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांति का एक केंद्र बन चुका है ।आज देश एवं प्रदेश के हर जिले हर गांव में समूह की महिलाओं को बहुत बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। विकास खंडों में स्वास्थ्य की दृष्टि से, शिक्षा की दृष्टि से, स्वच्छता की दृष्टि से, शुद्ध पेयजल की दृष्टि से, पंचायती राज्य व्यवस्था की दृष्टि से, समूहों द्वारा सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं । महिलाएं समाज में हर क्षेत्र में आगे बढ़कर हिस्सा ले रही हैं

चंद्रशेखर बवाल के आरोपियों के परिवार से पुलिस की झड़प

प्रयागराज कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन-नारेबाजी, पुलिस से भिड़े, बोले - हमारे बच्चों को गलत फंसाया

भारत संवाद

प्रयागराज , कलेक्ट्रेट में चंद्रशेखर बवाल के आरोपियों के परिवार और पुलिस के बीच झड़प हो गई। 30 लोग मंगलवार दोपहर कलेक्ट्रेट में एडीएम को ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। उनके साथ में आइसा के प्रदेश अध्यक्ष समेत 10-12 वकील भी शामिल हो गए। इसके बाद उन लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिसको पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। जिससे दोनों पक्षों में जमकर धक्कामुक्की हुई। इस बीच पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच माहौल तनावपूर्ण बना रहा। बाद में पुलिस ने किसी तरह से लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। बाद में एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा को उन लोगों ने ज्ञापन सौंपा। 29 जून को सांसद चंद्रशेखर के प्रतापगढ़ पहुंचने पर करछना तहसील के भदेवरा बाजार में जमकर हिंसा हुई थी। 30 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी। बवाल शांत होने के बाद पुलिस ने यहां के लगभग 75 लोगों को पकड़कर जेल भेज दिया था। इन्हीं जेल भेजे गए युवकों के परिजन प्रयागराज कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। उनका कहना था कि हमारे बच्चो को गलत तरीके से फंसाया गया है। आरोप लगाया कि उसके बाद पुलिस और उच्च जाति के कुछ असामाजिक तत्वों ने मिलकर दलित बहुल गांवों में बर्बर कार्रवाई की। कई घरों में तोड़फोड़ की गई, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। मासूम बच्चों तक को झूठे आरोपों में जेल भेजा गया। पीड़ितों का कहना है कि हिंसा में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, फिर भी उन्हें चुन-चुनकर प्रताड़ित किया गया। ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा, यह न सिर्फ एक जातीय हमला था, बल्कि संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है।

फास्ट ट्रैक

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा धर्मपरिवर्तन के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 22.06.2025 को वादी विनय प्रताप सिंह पुत्र लल्लन सिंह निवासी भतड़ा थाना जिगना जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध बहला-फुसला कर धर्म परिवर्तन करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल मु0अ0सं0-208/2025 धारा 3/5(1) उ.प्र.विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधि. 2021 पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना विन्ध्याचल पर पंजीकृत मुकदमें में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में पूर्व में 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मा0न्यायालय/जेल भेजा जा चुका है । इसी क्रम में आज दिनांकः 21.07.2025 को उप-निरीक्षक आनन्द शंकर सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से प्रकाश में आये अभियुक्त विजय कुमार पुत्र स्व0 माधवन निवासी लोहदी कलां भुजवा थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा नाबालिक को शादी का झासा देकर दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित वाछिंत अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 26.05.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की नाबालिक पुत्री को शादी का झासा देकर भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-219/2025 धारा 137(2),87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना को0देहात को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 21.07.2025 को उप-निरीक्षक राकेश राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से अभियुक्त संगम दूबे पुत्र भरत निवासी करनपुर थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 64(2),137(2),87 बीएनएस 5एल/6 पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 03 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार

थाना को0देहात जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 21.07.2025 को वादी लक्षनधारी यादव पुत्र रामचरित्र यादव निवासी भोगांव पचेवर थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की पुत्री की दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं जान से मार देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई, ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-306/2025 धारा 85,80 बीएनएस व श डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक को0देहात को निर्देश दिये गये ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 22.07.2025 को प्रभारी निरीक्षक सदानन्द सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 03 अभियुक्त/अभियुक्ता ।

महाप्रबन्धक श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने 12 रेल कर्मचारियों को किया पुरस्कृत

श्री विवेक राय एवं श्री ब्रजराज सिंह, बने माह जून 2025 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी

भारत संवाद

दिनांक 22.07.2025 को महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, श्री राजेश कुमार मिश्रा एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए आगरा, झाँसी एवं प्रयागराज मण्डलों से जून 2025 माह के लिए चयनित कुल 12 रेल कर्मचारियों को महाप्रबन्धक महोदय के द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में 1. श्री लायक राम/ कीमैन/डबरा/झाँसी मण्डल 2. श्री रवि प्रकाश वर्मा/ट्रैक मेंटेनर-कक/ग्वालियर/झाँसी मण्डल 3. श्री रवि कुमार/प्वाण्टसमैन/ बिरोही/ प्रयागराज मण्डल 4. श्री रनवीर सिंह/ स्टेशन मास्टर/डगमगपुर/प्रयागराज मण्डल 5. श्री आदर्श यादव/स्टेशन मास्टर/ सैयदसरावां/प्रयागराज मण्डल 6. श्री संजीत कुमार-कक/ लोको पायलट/ कानपुर न्यू/ प्रयागराज मण्डल 7. श्री सचिन कुमार/ सहायक लोको पायलट/ कानपुर न्यू/ प्रयागराज मण्डल 8. श्री नवल कुमार/लोको पायलट/जीएमसी/प्रयागराज मण्डल 9. श्री पंकज कुमार/सहायक लोको पायलट/जीएमसी/प्रयागराज मण्डल 10. श्री संजय कुमार मीना/ वरि. सहायक लोको पायलट/ ग्वालियर/ झाँसी मण्डल 11. श्री विवेक राय/लोको पायलट गुड्स/आगरा कैंट/आगरा मण्डल एवं 12. श्री ब्रजराज सिंह सहायक लोको पायलट/आगरा कैंट/आगरा मण्डल शामिल हैं। श्री विवेक राय लोको पायलट गुड्स/आगरा कैंट एवं श्री ब्रजराज सिंह सहायक लोको पायलट/आगरा कैंट/आगरा मण्डल को जून 2025 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये दोनों दिनांक 29.05.2025 को गाड़ी संख्या ECR/JBP पर तुगलकाबाद-आगरा कैंट खण्ड में कार्यरत थे। इन्हें शोलाका-होडल स्टेशन के मध्य चौथी लाइन पर डाउन दिशा में जा रही मालगाड़ी संख्या NPSB में ब्रेकवान से 9वें वैगन में चिंगारी एवं धुंआ दिखाई दिया। लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये गाड़ी संख्या NPSB के ट्रेन मैनेजर को खतरा संकेत दिखाया गया एवं डिप्टी एसएस/होडल, NPSB के लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर को वॉकी-टॉकी पर गाड़ी में गर्म धुरा होने की सूचना दी। गाड़ी संख्या ECRY/JBP की सूचना पर गाड़ी संख्या NPSB के वैगन को काटकर अलग किया गया और इनकी सजगता एवं सतर्कता से एक संभावित रेल दुर्घटना को रोका जा सका।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण की 21 वीं बोर्ड बैठक मंडलायुक्त कार्यालय स्थित गाँधी सभागार में संपन्न

मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की 21 वीं बोर्ड बैठक मंडलायुक्त कार्यालय स्थित गाँधी सभागार में संपन्न हुई जिसमें मेला क्षेत्र में वर्ष पर्यन्त कराए जाने वाले विभिन्न कार्यों से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

भारत संवाद

सर्वप्रथम संगम एवं मेला क्षेत्र में वर्षपर्यन्त साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के दृष्टिगत सफाईकर्मियों तथा सृजित कूड़ा के नियमित निस्तारण हेतु टिपर-कॉम्पैक्टर-जे.सी.बी.,सक्शन मशीन इत्यादि की संख्या बढाने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति मिली जिस पर मंडलायुक्त ने आबद्ध किए जा रहे सफाईकर्मियों की अटेंडेंस की बेहतर व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। वर्षपर्यन्त संगम तक सुचारू आवागमन हेतु 2 किमी० चेकर्ड प्लेट मार्ग बनाये जाने के प्रस्ताव को भी सैदान्तिक स्वीकृति मिली। बाढ़ की अवधि को छोड़कर शेष अवधि के लिये यह मार्ग बनाया जाएगा। इसी क्रम में मेला क्षेत्र मे पेयजल व्यवस्था, ड्रेनेज तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक स्वीकृति मिली। महाकुम्भ-2025 आयोजन में स्नानार्थियों / पर्यटकों के सुगम स्नान के साथ-साथ कपड़े आदि बदलने हेतु फ्लोटिंग जेटी मय चेन्जिग रूम का क्रय किया गया था, जिसे बाढ़ एवं अन्य परिस्थितियों में सुरक्षा के दृष्टिगत एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने-ले-जाने हेतु एक टोइंग बोट क्रय किए जाने के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक स्वीकृति मिली। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं, पर्यटकों, स्नानार्थियों को प्रयागराज के मुख्य पर्यटक स्थलों का भ्रमण कराये जाने के लिए Hop-on Hop-off Bus चलाये जाने, गंगा जी में डाले गये फूल, नारियल एवं अन्य सामग्रियों की साफ-सफाई हेतु 01 (Trash Skimmer) स्किमर क्रय किये जाने तथा मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों एवं पर्यटकों को पार्किंग स्थलों से संगम क्षेत्र के मुख्य पर्यटक स्थलों तक आवागमन हेतु गोल्फ कार्ट (Golf Cart) चलाये जाने के प्रस्तावों को भी सैद्धांतिक स्वीकृति मिली है। पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा डबल क्रूज बोट्स का सांयकाल / रात्रिकाल (रात्रि 10 बजे तक) में संचालन किये जाने एवं आवश्यक जनशक्ति व सुविधाओं को प्रदान करने तथा पर्यटकों हेतु संगम स्नान के लिए बोट बुकिंग का आनलाइन प्लेटफार्म निर्मित कराये जाने के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक स्वीकृति मिली। बैठक में मेला अधिकारी ने नगर आयुक्त से मेला क्षेत्र में नगर निगम द्वारा अतिरिक्त सफाई कर्मी लगाने की भी अपील की।

मेगा विद्युत बिल समाधान शिविर में 254 शिकायतें प्राप्त, 201 का मौके पर निस्तारण

भारत संवाद / संजय भारद्वाज

बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक मेगा विद्युत बिल समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 254 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 201 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस शिविर के दौरान विभाग ने कुल 27,21,000 (सत्ताइस लाख इक्कीस हजार रुपए) का राजस्व भी वसूल किया, जो विभाग की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। शिविर में एसडीओ सुरेंद्र के नेतृत्व में कार्य किया गया। उनके साथ आशीष शर्मा, दिगम्बर सिंह, डालचंद, अफसर खान, नीरज कुमार, रीना एवं शाकिर खान भी मौजूद रहे और शिकायतों के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाई। इस शिविर का उद्देश्य उपभोक्ताओं को त्वरित समाधान देना, लंबित बिल विवादों का निपटारा करना और राजस्व वसूली को गति देना था। अधिकारियों ने बताया कि आगे भी ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

मेगा विद्युत बिल समाधान शिविर

कुल 254शिकायतें आयी जिनमे से

201 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारित

कर ?27,21,000रूपया राजस्व बसूल किया गया

रऊड सुरेंद्र, आशीष शर्मा, दिगम्बर सिंह, डालचंद, अफसर खान, नीरज कुमार, रीना, शाकिर खान

शिविर में मौजूद रहे

अधिकारीयों के कार्य से समाधान शिविर में जनता की समस्या, समाधान, संतोष और सेवाभाव की मिसाल कायम की गई

सावन के चारों सोमवार को लखनऊ के प्रसिद्ध शिव मन्दिरों मे वितरित किये जायेंगे भक्तों के बीच निशुल्क पवित्र रुद्राक्ष

भारत संवाद

लखनऊ की आध्यात्म एवं समाज सेवी सस्था रुद्राक्ष वैली द्वारा सावन रुद्राक्ष सेवा अभियान के तहत सावन मे पडने वाले चारों सोमवार के दिन शहर के शिव मन्दिरों मे भकतों मे पचमुखी रुद्राक्ष निशुल्क वितरण किये जाने का सकल्प लिया है। सस्था के प्रमुख श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि पहले सोमवार को चौक स्थित कोनेश्वर महादेव तथा कल दूसरे सोमवार को मनकामेश्वर महादेव मन्दिर मे मठ की श्री महन्त दिव्या गिरि जी के सानिध्य मे लगभग तीन हजार रुद्राक्ष निशुल्क दर्शनार्थियों मे बाटे गये। जिसे दर्शनार्थ आये भक्तों ने खूब प्रशंसा की। सस्था के कार्यकर्ता श्री वेदरत्न शुक्ल, स्पर्श रावत, ने बताया कि तीसरे सोमवार को श्री हनुमान सेतु सकट मोचन मन्दिर स्थित शिव मन्दिर मे पवित्र रुद्राक्ष का निशुल्क वितरण इसी प्रकार किया जायेगा। पचमुखी रुद्राक्ष कोई भी धारण कर सकता है, ये हृदय गति को सतुलित करने मे अत्यंत सहायक है, भारतीय आयुर्वेद मे इसका उल्लेख मिलता है।

शिक्षा सेवा चयन आयोग टीजीटी-पीजीटी के सवाल पर वार्ता के लिए नही है तैयार - युवा मंच

परीक्षा तिथि की स्थिति स्पष्ट करने को लेकर आयोग मौन

भारत संवाद

प्रयागराज 22/07/2025 टीजीटी-पीजीटी की परीक्षा तिथि को लेकर आयोग के खिलाफ लगातार शोशल मीडिया पर तंज कसने से अभ्यर्थी बाज नहीं आ रहे हैं लेकिन शिक्षा सेवा चयन आयोग के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि आयोग के अध्यक्ष/सचिव/परीक्षा नियंत्रक को पत्र लिखकर वार्ता कर परीक्षा पर स्थिति स्पष्ट करने को लेकर आयोग द्वारा मीटिंग चल रही है ऐसे में मुलाकात सम्भव नहीं है असल बात यह है कि आयोग टीजीटी-पीजीटी परीक्षा के मुद्दे पर किसी से भी वार्ता नहीं करना चाहता शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक किसी का फोन तक नहीं उठाते तो मिलना दूर की बात है मुख्यमंत्री को तत्काल ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों को भारी भरकम आयोग की जिम्मेदारी ही नहीं सौंपनी चाहिए सूत्रों से पता चला है कि छात्रों का कहना है कि आयोग में नियुक्त होने के लिए शासन में जितनी रकम दिया गया है जब तक आयोग के अधिकारी उतनी रकम उगाही करने के लिए परीक्षा का पेपर नहीं बेंच लेंगे तब तक परीक्षा नहीं कराएगा आयोग अभी आयोग को पर्याप्त कंडीडेट नहीं मिल पाए हैं इसी लिए आयोग सदमे में हैं कि किया क्या जाए तीन बार परीक्षा तिथि घोषित हुई लेकिन कंडीडेट भारी संख्या में नहीं मिल रहे इसी लिए शायद आयोग परीक्षा की तिथियों को टरका रहा है असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में पर्याप्त लोग मिल गये थे इसलिए आयोग ने परीक्षा करा ली ये अलग बात है कि एक आउट सोर्सिंग कर्मचारी को जेल जाना पड़ा पर परीक्षा को सुचिता पूर्ण व पारदर्शी बताया जा रहा है । शिक्षा सेवा चयन आयोग की कार्यप्रणाली से लाखों प्रतियोगियों का मानसिक तनाव बढ़ गया है उनके सामने चुनौती है कि करें तो करें क्या ? राहुल पाण्डेय का कहना है कि आयोग में आए दिन मीटिंग होती है लेकिन मीटिंग के बाद ईटिंग होती है फिर चीटिंग हो जाती है ऐसे में जरुरत है कि 29/7/2025 को महा आन्दोलन करने का ऐलान हो चुका है उत्तर प्रदेश के तैयारी करने वाले सभी साथियों से अनुरोध है कि हर हाल में माहा आन्दोलन का हिस्सा बने।

राष्ट्रीय ध्वज दिवस — तिरंगे का सम्मान, भारत का स्वाभिमान

तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि भारत माता का गौरव : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। जुलाई को परमार्थ निकेतन में गर्व और श्रद्धा के साथ राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया गया। यह दिन भारत के तिरंगे के प्रति सम्मान प्रकट करने, उसकी गौरवशाली विरासत को याद करने और प्रत्येक नागरिक के भीतर देशभक्ति की भावना को सशक्त करने का दिन है। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत का तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, यह हमारी पहचान, हमारे बलिदानों, और हमारे आदर्शों का प्रतीक है। यह रंगों और प्रतीकों से सजा हुआ एक ऐसा प्रेरणास्रोत है जो हर भारतवासी के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करता है। राष्ट्रीय ध्वज दिवस के अवसर पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और परमार्थ गुरूकुल के आचार्यों व ऋषिकुमारों ने तिरंगा लहराकर तिरंगे के प्रति श्रद्धा और संकल्प के साथ जुड़ने का आह्वान किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि तिरंगा केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, यह भारत माता का मुकुट है। यह उन शहीदों की अंतिम साँस है जिन्होंने हँसते-हँसते अपने प्राण मातृभूमि के चरणों में समर्पित कर दिए। तिरंगे का प्रत्येक रंग हमारी आत्मा से जुड़ा हुआ है, केसरिया साहस का, सफेद शांति का और हरा समृद्धि का प्रतीक है। अशोक चक्र हमें निरंतर प्रगति और धर्म के पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं। तिरंगे का सम्मान भारत के स्वाभिमान का सम्मान है। भारत के राष्ट्रीय ध्वज में सम्मिलित हर रंग और प्रतीक एक गहरी राष्ट्रीय चेतना को दशार्ता है। केसरिया रंग, यह त्याग, बलिदान और साहस का प्रतीक है। यह हमें उन स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने अपनी जान देकर भारत को आजाद कराया। श्वेत रंग, शांति, सत्य और पवित्रता का प्रतीक, यह हमें गांधीजी की अहिंसा की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। हरा रंग, यह समृद्धि, हरियाली और विकास का प्रतीक है जो भारत के कृषिप्रधान स्वरूप को दशार्ता है। अशोक चक्र 24 तीलियों वाला यह नीला चक्र धर्म, न्याय और सतत प्रगति का प्रतीक है, जो हमें कर्म करते रहने की प्रेरणा देता है ।स्वामी जी ने अपने संदेश में विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे तिरंगे को केवल उत्सव का प्रतीक न मानें, बल्कि इसे अपनी सोच, कार्य और चरित्र में उतारें। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा तो हुआ, अब हर दिल तिरंगा होना चाहिए। जब तक हमारे विचार, व्यवहार और उद्देश्य राष्ट्रहित में नहीं होंगे, तब तक तिरंगे का वास्तविक सम्मान नहीं हो सकता। स्वामी जी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज दिवस हमें केवल अतीत की याद नहीं दिलाता, बल्कि भविष्य की दिशा भी दिखाता है। यह हमें हमारी जड़ों, हमारी जिम्मेदारियों और हमारी एकता की शक्ति का बोध कराता है। आज जब हम तिरंगे को श्रद्धा से नमन करते हैं, तो यह केवल एक ध्वज को नहीं, बल्कि भारत माता के गौरव, हमारे बलिदान और हमारी उम्मीदों को नमन होता है। आज की परमार्थ गंगा आरती भारत माता को समर्पित की गयी। गंगा जी की आरती के दौरान तिरंगा लहराकर देवभक्ति व देशभक्ति का संदेश दिया।

इगलास तहसील सभागार में अधिवक्ताओं और प्रशासन के बीच संवाद, राजस्व वादों के शीघ्र निस्तारण पर सहमति

तहसीलदार सतीश चंद बघेल ने बार-बेंच समन्वय पर दिया विशेष बल

भारत संवाद

आज मंगलवार को तहसील सभागार, इगलास में तहसील इगलास बार एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारीगण एवं अधिवक्ताओं के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजस्व वादों के त्वरित निस्तारण एवं अन्य संबंधित समस्याओं को लेकर विस्तार से विचार-विमर्शकर चर्चा की गई ।बैठक में तहसीलदार सतीश चंद बघेल ने सहभागिता करते हुए बार और बेंच के मध्य समन्वय को और बेहतर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आपसी संवाद एवं सहयोग से किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित समाधान किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिवक्ताओं ने अपना-अपना परिचय देते हुए न्यायिक प्रणाली को और अधिक पारदर्शी बनाने को अपने-अपने विचार रखे। उपस्थित सभी अधिवक्ताओ ने सहमति जताई है कि राजस्व वादों का निस्तारण बार और बेंच के समजस्य एवं न्याय प्रणाली से ही संभव है ।तहसीलदार सतीश चंद बघेल ने कहाकि अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा। वहीं, अधिवक्ता संघ ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने की बात कही ।इस मौके पर तहसील बार के अधिवक्ताओ सहित न्यायिक स्टाफ मौजूद रहा

डीएम की अध्यक्षता में बेसिक एवं समग्र शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा एवं जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

निर्माण कार्यों में रूचि न लेने पर बीडीओ गोंडा के वेतन आहरण पर लगाई रोक

भारत संवाद

अलीगढ़,(सू0वि0):जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में बेसिक एवं समग्र शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा एवं जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई। डीएम ने दो टूक कहा कि एक भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहने पाए।उन्होंने समस्त अधिकारियों से समन्वय कर लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को बच्चों के हित को सर्वोपरि रखते हुए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु सजगता और संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए।बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, उन्हें 15 अगस्त तक हर हाल में पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत प्रवेश से वंचित बच्चों के संबंध में निजी विद्यालयों को नोटिस जारी करते हुए विधिक कार्यवाही की जाए। बीएसए द्वारा जानकारी दी गई कि गत वर्ष 3200 बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाया गया था।नामांकन की स्थिति में सुधार हुआ है, परंतु और प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि चालू सत्र के दौरान आरटीई के तहत अब तक 3618 नये विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाया गया है। नवीन नामांकन एवं प्रेरणा पोर्टल पर पंजीकरण के संबंध में बताया गया कि अब तक 192643 का पंजीकरण किया गया है, जो विगत वर्ष के सापेक्ष 94.2 है। डीएम ने खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया

विकास कार्यों में लापरवाही पड़ी भारी-लाखों रुपए के टेण्डरो को नगर आयुक्त ने किया निरस्त-जब्त की जमानत धनराशि

1 करोड़ 48 लाख 20 हजार के विकास कार्यों में लापरवाही पर नगर आयुक्त के एक्शन से नगर निगम में मची खलबली

- विकास कार्यों में लापरवाही पर टेंडर हुए निरस्त जमानत धनराशि हुई जब्त फर्म भी हुई ब्लैकलिस्टेड-जीरो टॉलरेंस पर नगर आयुक्त का बड़ा एक्शन
- निर्माण ठेकेदार भावानी कंस्ट्रक्शन पर नगर आयुक्त की अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाई

भारत संवाद

नगर निगम अलीगढ़ के निर्माण कार्यों में लगातार लापरवाही बरतने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण न करने पर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक ऐतिहासिक और निर्णायक कार्रवाई की है। नगर आयुक्त ने ठेकेदार/ संस्था भावानी कंस्ट्रक्शन द्वारा अनुबंध के शर्तों का पालन न करने और निर्माण कार्यों में गंभीर लापरवाही बरतने पर उनके 9 टेंडरों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। साथ ही सभी 9 कार्यों की जमानत धनराशि को जब्त करते हुए संस्था को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है नगर आयुक्त के इस बड़े एक्शन से जहां एक ओर नगर निगम निर्माण विभाग के लापरवाह ठेकेदार बेहद चिंतित है तो वहीं दूसरी ओर यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की जीरो टॉलरेंस नीति पर नगर आयुक्त ने शत प्रतिशत एक्शन उठाया है। नगर आयुक्त के इस एक्शन से निश्चित रूप से विकास कार्यों में तेजी आएगी और जो ठेकेदार लंबे समय से अनुबंध नहीं कर रहे हैं अथवा निर्माण कार्यों में देरी कर रहे हैं उनको एक सबक भी मिलेगा। नगर आयुक्त का स्पष्ट संदेश–लापरवाही व विकास कार्यों में शिथिलता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी

नगर आयुक्त का बयान

मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता नगर निगम निर्माण कार्यों को पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा करना है जनता के धन से हो रहे निर्माण कार्यों में लापरवाही और देरी बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है यह सरकार की नीति और जनविश्वास दोनों के विरुद्ध है। जो भी ठेकेदार इस प्रतिबद्धता से पीछे हटेगा उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। भावानी कंस्ट्रक्शन पर की गई यह कार्रवाई उसी दिशा में एक सख्त और संदेशपूर्ण कदम है।

लंबे समय से लंबित थे कार्य, कई बार दिए गए थे चेतावनी के नोटिस

नगर निगम के निर्माण विभाग से प्राप्त विवरण के अनुसार, भावानी कंस्ट्रक्शन को 9 कार्यों का ठेका मिला था, जिनमें से एक भी कार्य का उसने अनुबंध नही किया इन 9 कार्यो की लागत 1 करोड़ 48 लाख 20 हजार की थी जिनको निरस्त करते हुए भावानी कंस्ट्रक्शन की 14 लाख 95 हजार की जमानत धनराशि जब्त कर ली गयी है।

फास्ट ट्रैक

शिव तत्व ही ब्रह्मांड की समस्त चेतना: कालेन्द्रानंद

भारत संवाद

सहारनपुर।देहरादून रोड स्थित जमालपुर में महाकालेश्वर महादेव मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा में स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा शिव ही सृष्टि का आदि और अंत है। शिव तत्व ही ब्रह्मांड की समस्त चेतना है। श्री महाकालेश्वर महादेव मंदिर समिति द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा में मुख्य अजमान शिव कश्यप और नीरज कश्यप ने परिवार सहित शिव महापुराण की पूजा कराई।व्यास पीठ पर महाराज श्री का तिलक का आशीर्वाद प्राप्त किया। शिव महापुराण कथा में प्रवचन करते हुए स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा नीलकंठ महादेव जहां स्वयं शिव जी समुद्र मंथन में विष पान करके आए थे यही नीलकंठ पर्वत पर भगवान भोलेनाथ ने पार्वती के साथ वास किया और कंठ नीला होने के कारण देवों ने नीलकंठ महादेव के जयकारे लगाकर उद्घोष किया तभी से यहां बाबा का नाम नीलकंठ महादेव हो गया है। महाराज श्री ने कहा शिवा 12 ज्योतिर्लिंगों के रूप में संपूर्ण भारत भूमि में स्थापित है 12 ज्योतिर्लिंग कोई मूर्तियां आकार में नहीं है बल्कि ब्रह्म ज्योति के रूप में स्थापित है जो अनुभूति एवं साधना का विषय है शिव ज्योतिरमय पिंड को साधना के माध्यम से दर्शन किया जा सकता है। उन्होंने कहा समस्त जड़ चेतन में शिव तत्व की ब्रह्म ऊर्जा ही व्याप्त है। इस अवसर पर शोभाराम कश्यप सुभाष कश्यप सागर गुप्ता नीरज कश्यप सुरेश गुप्ता मोनू कश्यप संजय सैनी साक्षी रोमा गीता करुणा बबीता पूनम कविता रेखा मनीष आदि रहे।

नाबालिग के साथ कुकर्म

सहारनपुर।एक ओर जहां सावन के पावन महीने में श्रद्धा और भक्ति का माहौल है।वहीं दूसरी ओर थाना तीतरो क्षेत्र के एक गांव से रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है।एक धार्मिक स्थल पर एक नाबालिग लड़के के साथ कुकर्म का प्रयास किए जाने की सूचना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पीड़ित परिवार ने तीतरो कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी है और सख्त कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की तहरीर प्राप्त हुई है।प्रथम दृष्टया कुकर्म के प्रयास की पुष्टि हुई है और मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।क्षेत्र में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है।धार्मिक स्थल पर ऐसी घिनौनी हरकत ने लोगों की भावनाओं को झकझोर कर रख दिया है।पुलिस अब आरोपित की तलाश में सक्रिय है।

कांग्रेस की संगठन सृजन बैठक आयोजित

सहारनपुर।महानगर कार्यालय पर एक संगठन सृजन बैठक आयोजित की गई, जिसमें महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी ने अपने सभी पदाधिकारियों, वार्ड अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन सृजन अभियान को अब आगे बढ़ते हुए हमें अपने 20 पोलिंग स्टेशनों पर एक मंडल कमेटियों का गठन करना होगा।20 पोलिंग स्टेशनों पर एक मंडल अध्यक्ष बनाकर उनकी कमेटियों का गठन किया जाएगा जिससे पोलिंग बूथ पर संगठन को मजबूत किया जा सके।त्यागी ने कहा कि हर बूथ पर सक्षम यूथजनों को जिम्मेदारी सौंपकर कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनावो में भाजपा को सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए चुनावी षड्यंत्र रचने से रोकेगी।बैठक में उपस्थित कांग्रेसजनों को वार्डों में पार्टी को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे आने वाले 2027 के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का उत्तर प्रदेश में विजय का मार्ग प्रशस्त हो सके। बैठक में नवनियुक्त वार्ड अध्यक्षों वे मंडल अध्यक्षों का स्वागत किया गया।बैठक को संबोधित करने वालों में वरिष्ठ महानगर उपाध्यक्षगण हरिओम मिश्रा, अमरदीप जैन, उपाध्यक्ष नीरज कपिल, इकराम खान, सेवादल जिला अध्यक्ष इमरान कुरेशी, सेवादल महानगर अध्यक्ष अनुज शर्मा, अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महामंत्री सोनू पठान, रेखा धीमान आदि शामिल रहे।बैठक में आरिश सिद्दीकी, शाहीन खान, जैल सिंह, लांबा पंडित सुमन शर्मा, मयंक शर्मा, नसीब खान, मोहम्मद रिजवान, गौरव गुप्ता, खुर्शीद अहमद, शर्मिष्ठा सिंह सुरेंद्र गुप्ता राजकुमार शर्मा, राजेश कुमार, उपमा सिंह, शुभम शर्मा, विपिनकांत शर्मा, करण चैहान, जमाल अहमद, असद अहमद खान, अमरीश शर्मा, शिवेंद्र लाल, गुलशद प्रधान, बरकत अंसारी आदि सहित बड़ी संख्या में महानगर कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रावण शिव रात्रि आज, गुरुवार को मनाई जाएगी हरियाली अमावस्या.....

अकाल मृत्यु के भय से मुक्त करते हैं महादेव : स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ। भगवान मृत्युंजय शिव संसार की समस्त औषधियों के स्वामी हैं। मृत्यु के नियंत्रक,आरोग्य और स्वास्थ्य के प्रदाता भगवान शिव के महामृत्युंजय उपासना से काल पर भी विजय प्राप्ति संभव है। जटिल और तनाव युक्त जीवन में इस उपासना से जहां आकस्मिक दुर्घटनाओं से जीवन की रक्षा हो सकती है। असाध्य रोगों का निवारण भी किया जा सकता है। भाव,श्रद्धा तथा भक्ति से इस महामंत्र का जप करने पर भयंकर व्याधियों से मुक्ति के साथ दीघार्यु, शन्ति, धन-संपत्ति, मोक्ष व सद्गति की प्राप्ति भी संभव है।उक्त बातें वैदिक ज्योतिष संस्थान पर चल रहे पार्थिव शिव पूजन रुद्राभिषेक के मध्य परमपूज्य स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज ने भक्तों को दी। भौम प्रदोष के पावन दिवस पर संस्थान कार्यालय पर प्रातः से ही भगवान शिव के पार्थिव लिंग का वेद मंत्रो के साथ तीर्थोदक, गंगाजल, गोमूत्र,गोमय, तीर्थो की मिट्टी से निर्माण कर दूध, दही, धी, शहद,बूरा, पंचामृत,वर्षा का जल, पुष्पों का जल, भस्ममोदक,आदि से स्नान कराकर चन्दन और भस्म से त्रिपुण्ड बनाया,

जनेऊ,कलावा,विल्वपत्र,आक,ढाक ,धतूरा, शमीपत्र,दूर्वा, गुलाल, अबीर,से श्रंगार पूजन कर,भगवान शिव और माँ मंगला गौरी के एक एक हजार नामों से गुलाब, कनेर, गुड़हल पुष्पों से अर्चन कर भोग आरती गौरव शास्त्री, रवि शास्त्री, शिवम व्यास, ऋषि शास्त्री ने सुवोध अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, मानवेन्द्र सिंह,रोली सिंह,से प्रदोष अनुष्ठान सम्पन कराय।

स्वामी जी ने शिव की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि पृथ्वी लोक पर सावन माह में पूजा करने का विशेष महत्व है।ऋषि मार्कंडेय ने सावन मास में ही तप कर भगवान शिव को प्रसन्न कर मृत्यु को भी जीत लिया था। भगवान शिव सावन मास में ही पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने ससुराल गये और उनका स्वागत अर्ध्य एवं अभिषेक से किया गया था।तब से यह माना जाता है कि शिव हर वर्ष इसी माह अपनी ससुराल आते हैं।पृथ्वी पर रहने वालों के लिए यह माह भगवान शिव के विशेष कृपा प्राप्त करने का उत्तम समय है। सच्चे मन से भक्तों द्वारा किए गये पुकार पर महादेवजी उसी क्षण अपने भक्तों का कष्ट दूर कर देते हैं। सरल स्वभाव का होने के कारण भोलेनाथ सहज ही प्रसन्न हो जाते हैं।पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि सावन मास में ही समुद्र मंथन किया गया था। जिन पांच औषधियों से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। उनसे विष का प्रभाव कम होता है।शिव पुराण में उल्लेख है कि भगवान गंगाधर शिव स्वयं ही जल हैं। सृष्टि विलय होने पर चहुंओर जल ही जल रहता है जो भगवान शिव का ही स्वरूप है।आपत्ति काल में वे धर्म की रक्षा को तत्पर रहते हैं।स्वामी जी ने श्रावण शिवरात्रि के विषय में बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि आज 23 जुलाई 2025 बुधवार को सुबह 4:39 बजे से प्रारम्भ हो चुकी है,यह तिथि आज ही देर रात 2:28 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार सावन शिवरात्रि का व्रत आज बुधवार को रखा जाएगा,पूजा का समय निशा काल मे 12 बजकर 07 मिनट से लेकर 12 बजकर 48 मिनट तक है।इस दिन कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाएगी।इस शुभ अवसर पर भद्रावास योग दोपहर 03 बजकर 31 मिनट तक है। वहीं, हर्षण योग का निर्माण दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से हो रहा है।इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को दोगुना फल मिलेगा।24 जुलाई गुरुवार को हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी।

स्वामी जी के शिष्य एवं संस्थान के सचिव आचार्य गौरव शास्त्री ने बताया कि सनातन धर्म में सावन शिवरात्रि का विशेष महत्व है। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है।पूजा के समय भगवान शिव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया जाता है। भक्तजन दूध,दही,घी, शहद बूरा, फलोदक, पुष्पोदक तीर्थोदक और गंगाजल से देवों के देव महादेव का अभिषेक करते है।भक्तजन निशा काल में भगवान शिव की पूजा एवं भक्ति करते हैं। मंदिरों में भजन-कीर्तन और शिव विवाह का आयोजन किया जाता है। साधक मनचाही मुराद पाने के लिए सावन शिवरात्रि पर व्रत भी रखते हैं।यह दिन दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजन वैवाहिक जीवन में प्रेम, सामंजस्य और सुख-शांति बनाए रखता है।यह व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं और विवाहित महिलाओं के लिए विशेष फलदायक माना जाता है।

जनसुनवाई में सफाई सम्बंधी दो समस्याओं का हुआ तत्काल निस्तारण

अपर नगरायुक्तों सहित अधिकारियों ने सुनी समस्याएं

भारत संवाद

सहारनपुर।नगर निगम में आज आयी सात समस्याओं में से सफाई सम्बंधी दो समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराया गया।लाइट सम्बंधी तीन समस्याओं के निस्तारण के लिए पथ प्रकाश अभियंता को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।हकीकत नगर में फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की शिकायत पर प्रवर्तन दल को स्थलीय निरीक्षण के लिए कहा गया।जनसुनवाई में अपर नगरायुक्त प्रदीप कुमार यादव व मृत्युंजय सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वार्ड 26 के श्यामलाल ने सतीदेव स्थान वाली गली में साफ सफाई कराने तथा पंत विहार निवासी दिनेश वर्मा ने क्षेत्र की नाली की साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई कर्मचारियों को स्थल पर भेजकर सफाई कराते हुए दोनों समस्याओं का समाधान कराया गया।इसके अलावा वार्ड 55 प्रेम वाटिका के विशाल बांगा ने पार्क के झूले ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर उद्यान विभाग के अवर अभियंता को निरीक्षण कर कार्रवाई कराने को कहा गया। वार्ड 34 हकीकत नगर दयाल कॉलोनी निवासी विजेंद्र ने हकीकत नगर में फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर अपर नगरायुक्त ने प्रवर्तनदल को स्थलीय निरीक्षण कर आख्या देने के निर्देश दिए ताकि उसके अनुसार कार्रवाई करायी जा सके।

वार्ड 43 इस्लामिया इण्टर कॉलेज के पास रहने वाले रवि छाबड़ा ने कॉलेज के पास बंद पड़ी लाइट को ठीक कराने, वार्ड 37 गिल कॉलोनी निवासी अशोक गुप्ता ने कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट लगाये जाने तथा वार्ड 10 काजीपुरा निवासी शहजाद मलिक ने काजीपुरा नवादा रोड पर लाइटों के चैन कवर बदलवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिए। जिस पर अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव ने पथ प्रकाश के अवर अभियंता को सर्वे कराकर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आगामी आर ओ/एआर ओ (प्रा0) परीक्षा-2025 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु सभी मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह व आयोग के प्रतिनिधि/कोऑर्डिनेटर की उपस्थिति में समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आर ओ/एआर ओ (प्रा0) परीक्षा-2025 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में जोनल मजिस्ट्रेट/सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) गौरव शुक्ला द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित सभी मजिस्ट्रेट/केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापकों को आगामी आर ओ/एआर ओ परीक्षा-2025 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु लोक सेवा आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन से अवगत कराया गया। उक्त परीक्षा दिनांक 27.07.2025 को पूर्वान्ह 9:30 बजे से 12:30 बजे तक आयोजित होनी है, जिसके अन्तर्गत कुल 34 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कुल 08 जोनल मजिस्ट्रेट, 34 सेक्टर मजिस्ट्रेट व 34 स्टेटिक मजिस्टेज्ट लगाये गये हैं।प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवक्ता, केशकुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज द्वारा पीपीटी के माध्यम से आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन से सभी को अवगत कराया गया।

उप जिलाधिकारी (एसडीएम) पारितोष मिश्रा एवं खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) गोंडा के आदेशानुसार, ग्राम कमंडलपुर म0ग्राम अतुर्रा के रास्ते की समस्या को लेकर संयुक्त टीम बनाकर रास्ते का समाधान किया

भारत संवाद

संजय भारद्वाजअलीगढ तहसील इगलास/गोंडा

कमंडलपुर मङ्ग ग्राम अतुर्रा में रास्ते की समस्या पर प्रशासन ने लिया संज्ञान, संयुक्त टीम ने कियारास्ता की समस्या का निस्तारण एसडीएम परितोष मिश्रा एवं बीडीओ गोंडा के द्वारा मौके पर किया निरीक्षण ग्राम कमंडलपुर मङ्ग ग्राम अतुर्रा में लंबे समय से चली आ रही रास्ते की समस्या को लेकर ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत पर प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया है। उप जिलाधिकारी परितोष मिश्रा एवं खंड विकास अधिकारी गोंडा के निदेर्शानुसार मंगलवार को एक संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजी गई।संयुक्त टीम ने घटना स्थल पर पहुँचकर रास्ते की स्थिति का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से संवाद कर समस्या की जानकारी प्राप्त की। मौके पर ही टीम द्वारा स्थायी समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अधिकारियों ने बताया कि यह रास्ता ग्रामवासियों के आवागमन का प्रमुख मार्ग है, जिसे शीघ्र मरम्मत एवं सुधार कार्यों के अंतर्गत लिया जाएगा।ग्रामीणों ने प्रशासन के द्वारा किये गये कार्य की सराहना की है।एसडीएम परितोष मिश्रा ने कहा कि जन समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। ग्राम स्तर की आवश्यकताओं की अनदेखी नहीं की जाएगी

मो. मुबश्शिर वारिस ने ग्रहण किया अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन का कार्यभार

भारत संवाद

मो. मुबश्शिर वारिस ने प्रयागराज मण्डल में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन का पदभार ग्रहण किया, इससे पूर्व वह नेशनल हाईस्पीड रेल कॉरीडोर, नई दिल्ली में अपर महाप्रबन्धक के पद पर कार्यरत थे। मो. मुबश्शिर वारिस से पूर्व अपर मण्डलरेल प्रबन्धक/परिचालन के पद पर श्री अजय कुमार राय कार्यरत थे। मो. मुबश्शिर वारिस 2006 बैच के भारतीय रेलवे सिग्नल & टेलिकॉम सेवा के अधिकारी हैं।उन्होंने 2006 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जेड.एच. कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रॉनिक्स में गोल्ड मेडल के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की।मो. मुबश्शिर वारिस ने 2007 में सहायक मण्डल सिग्नल & टेलिकॉम इंजीनियर/प्रशिक्षु के रूप में भारतीय रेलवे में शामिल हुए तत्पश्चात भारतीय रेलवे सिग्नल & टेलिकॉम के विभिन्न पदों पर कार्य किया। मो. मुबश्शिर वारिस ने दक्षिण पूर्व रेलवे/ के झारसुगुडा, बोकारो स्टील प्लांट, खड़गपुर एवं चक्रधरपुर में सिग्नल & टेलिकॉम इंजीनियर के पद पर; मुख्यालय, खड़गपुर एवं चक्रधरपुर में मण्डल सिग्नल & टेलिकॉम इंजीनियर के पद पर, चक्रधरपुर में वरिष्ठ मण्डल सिग्नल & टेलिकॉम इंजीनियर के पद पर एवं आरडीएसओ, लखनऊ में संयुक्त निदेशक(सिग्नल) एवं निदेशक (सिग्नल) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवायें प्रदान की हैं मो. मुबश्शिर वारिस ने शैक्षणिक काल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।मो. मुबश्शिर वारिस ने ने अपने इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्टार पर 9वीं रैंक प्राप्त की, आईआर आईएसईटी (भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान) में प्रशिक्षण के दौरान वर्ष 2008 एवं 2009 में रजत पदक हासिल किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

भारत संवाद

अयोध्या (सू0वि0):- जिलाधिकारी श्री निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 की तैयारी के अंतर्गत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण की प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी।जिलाधिकारी ने बैठक में पंचायत निर्वाचन से पूर्व मतदाता सूची के व्यापक और त्रुटिरहित पुनरीक्षण पर बल देते हुये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन व प्रविष्टियों की शुद्धि के कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव होती है, अतः इसे पूर्णतया अद्यतन, त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को पुनरीक्षण कार्य को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए।बैठक में नामावली पुनरीक्षण की वर्तमान स्थिति, बीएलओ की भूमिका, प्रदर्शनी व आपत्तियों का निस्तारण, समन्वय और प्रशिक्षण आदि बिंदुओं पर समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर गणना कार्ड पर पात्र मतदाताओं का नाम अंकित करें। उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्धारित तिथियों पर नामावली का प्रकाशन व प्राप्त आपत्तियों/दावों का तत्परता से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

क्या प्याज बालों का झड़ना रोक सकता है? जानिए इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका

बाल झड़ने की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है.आपको बता दें कि बाल झड़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. इन कारणों में हार्मोनल असंतुलन, तनाव, प्रदूषण, अनहेल्दी डाइट और बालों पर केमिकल वाले उत्पादों का इस्तेमाल शामिल हैं. बालों को झड़ने से रोकने के लिए लोग कई तरह के उपचार करवाते हैं, जिनके विपरीत प्रभाव भी हो सकते हैं.इसलिए बालों को झड़ने से रोकने के लिए घरेलू उपाय ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं. इन घरेलू उपायों में प्याज का तेल भी शामिल है. इसे घर पर बनाना भी आसान है...

प्याज का तेल बालों के लिए फायदेमंद है।

प्याज का तेल एक ऐसा तेल है जो बालों को झड़ने से रोकता है. प्याज से बना तेल बालों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है और बालों को झड़ने से रोकता है.

प्याज का तेल बनाने के लिए सामग्री

3 प्याज

1/2 कप नारियल तेल

प्याज का तेल कैसे तैयार करें?

एक बर्तन में नारियल का तेल डालकर गैस पर रखें, फिर इसमें कटे हुए प्याज के टुकड़े डालकर तेल को 20 मिनट तक उबालें. इसके बाद गैस बंद कर दें. जब तेल अच्छे से ठंडा हो जाए तो इसे कांच के जार में डालकर इस्तेमाल करें.

का उपयोग कैसे करें?

तैयार तेल को स्कैल्प से लेकर बालों के सिरे तक अच्छी तरह से लगाएं. इसे अपने सिर पर 1 घंटे या रात भर के लिए लगा रहने दें और फिर नहा लें. हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम होगा और रूसी जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा.

प्याज के तेल के उपयोग के लाभ

प्याज सल्फर का एक अच्छा स्रोत है. यह केराटिन के उत्पादन को बढ़ाता है, जो बालों के विकास के लिए जरूरी प्रोटीन है.

प्याज में एंटीबैक्टीरियल गुण भरपूर मात्रा में होते हैं. यह स्कैल्प पर होने वाले हर तरह के संक्रमण को रोकता है.

प्याज का तेल रूसी को रोकने और रूसी की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है.

प्याज का तेल रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है.

प्याज के तेल का नियमित उपयोग बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बालों का झड़ना रोकता है.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ पर प्रकाशित परिणाम क्या कहते हैं कि एलियम सेपा, जिसे आम तौर पर प्याज के रूप में जाना जाता है, लिलियासी परिवार से संबंधित है. प्राचीन काल से, इसका उपयोग पारंपरिक रूप से विभिन्न रोगों के उपचार के लिए किया जाता रहा है.प्याज के अर्क में लिवर हेक्सोकाइनेज, ग्लूकोज 6-फॉस्फेट और एचएमजी कोएंजाइम-ए रिडक्टेस की गतिविधियों को सामान्य करके हाइपोग्लाइसेमिक और हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव भी पाए गए हैं. शोध के अनुसार, प्याज का अर्क पीने से ब्लड शुगर को तेजी से नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके साथ ही प्याज में सल्फर भरपूर मात्रा में होता है, जो एक महत्वपूर्ण खनिज है जो बालों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. सल्फर अमीनो एसिड में पाया जाता है, जो केराटिन सहित प्रोटीन के निर्माण खंड हैं. केराटिन बालों का एक प्रमुख घटक है, और हाई सल्फर सामग्री बालों की मजबूती और लोच को बढ़ाती है.

किचन में भूलकर भी न रखें ये 2 बर्तन उल्टे, घर से भाग जाएगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में वास्तु का विशेष महत्व है. घर के किचन के लिए भी वास्तु अनिवार्य है. किचन सिर्फ खाना बनाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि इसमें अन्नपूर्णा का वास भी होता है. इसमें लक्ष्मी का भी वास होता है. इसलिए अगर आप घर में सुख-शांति और समृद्धि चाहते हैं तो किचन से जुड़े वास्तु नियमों का पालन जरूर करें. इनकी अनदेखी करने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. नतीजतन घर को नकारात्मक प्रभावों का भी सामना करना पड़ सकता है, ऐसा वास्तु ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है.

आमतौर पर लोग किचन में बर्तन धोने के बाद उन्हें उल्टा करके रख देते हैं. लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में कभी भी दो बर्तन को उल्टे नहीं रखने चाहिए, इसमें कड़ाही और तवा शामिल है. जी हां ! वास्तु शास्त्र कहता है कि किचन में कभी भी कड़ाही और तवे को उल्टा नहीं रखना चाहिए. ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है.

जानकारों का कहना है कि ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिसका स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना बनाने के बाद किचन में बर्तनों को धोना और उन्हें सही तरीके से रखना बहुत जरूरी है. नियमों का पालन करने से परिवार के सदस्यों के घर में समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि तवा उल्टा रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और अक्सर घर में झगड़े होते रहते हैं. इसके साथ ही कहा जाता है कि घर में दरिद्रता बढ़ती है. इससे आर्थिक स्थिति भी खराब होने लगती है. कहा जाता है कि तवा उल्टा रखने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. इससे घर की खुशियां खत्म हो जाती हैं. पैसों की कमी का सामना करना पड़ता है. इसलिए सलाह दी जाती है कि किसी भी हालत में तवा उल्टा नहीं रखना चाहिए. जब ??भी तवा धोएं तो उसे सीधा ही रखें. इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि गंदे बर्तन रातभर किचन में नहीं रखने चाहिए.

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में सदैव खुशियां, सेहत और पैसे की कमी ना रहे. लेकिन कई बार हम भूल से कई छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से घर में खुशियां और धन-दौलत लंबे वक्त तक नहीं टिक पाती. वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूरे घर में शांति और जीवंतता बनाए रखने के लिए किचन में साफ-सफाई बेहद जरूरी है. यह सिर्फ खाने की जगह नहीं है. यह वह स्थान है जहां मां गृहलक्ष्मी का वास होता है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि हल्दी, नमक, पानी का बर्तन, चावल, चीनी और घी ऐसी चीजें हैं जो हमेशा किचन में मौजूद होनी चाहिए. अगर ये पूरी तरह खत्म हो जाएं तो उस घर में आर्थिक तंगी, हेल्थ रिलेटेड परेशानियां और पारिवारिक कलह की संभावना बढ़ जाती है. इसलिए किचन में कुछ चीजों को संभालकर रखना चाहिए ताकि ये कभी पूरी तरह खत्म न हों.

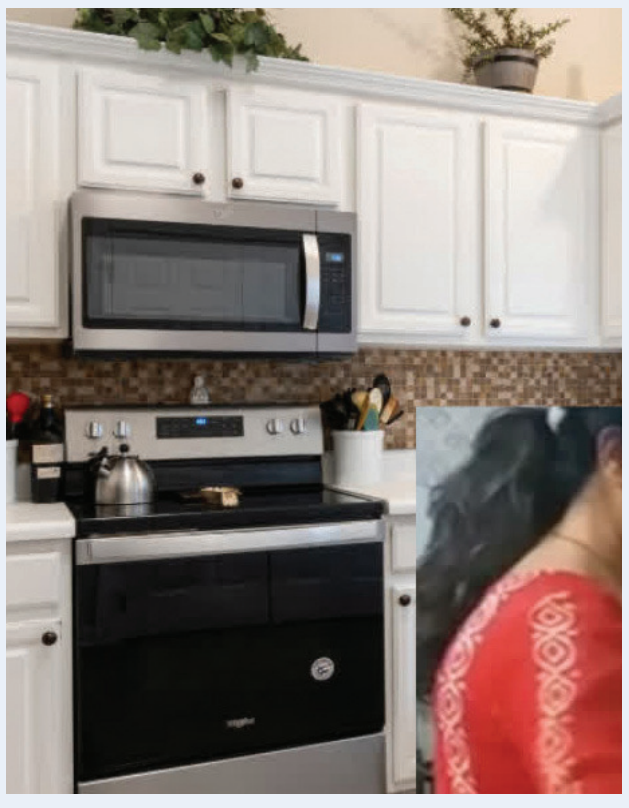

बरसात के मौसम में इन फलों का जरूर करें सेवन, बीमारियों से रहेंगे दूर और बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

बारिश का मौसम शुरू हो गया है. हालांकि इस दौरान मौसम सुहावना होता है, लेकिन यह मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है. मानसून के दौरान वायरल इंफेक्शन, एलर्जी, डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी कई मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. हवा में नमी भी काफी होती है, जिसका असर पाचन क्रिया पर पड़ता है.

मानसून के दौरान इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है. चाहे कितनी भी सावधानी बरती जाए, संक्रामक रोग फिर भी हो ही जाते हैं. सर्दी-खांसी से लेकर डेंगू बुखार, मलेरिया, टाइफाइड और मच्छरों से होने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याएं मानसून के दौरान बढ़ जाती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ फल खाने से मानसून के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके अलावा, कुछ फल संक्रमण से लड़ने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं.

मानसून के मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना सबसे जरूरी है. ऐसे में पाचन और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए आपको अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए. कहा जाता है कि मानसून के दौरान इम्यून सिस्टम का मजबूत होना सबसे जरूरी है. शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए कुछ फलों का सेवन जरूरी है. इन फलों को खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है. साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत बनता है.

इन फलों का जरूर करें सेवन

अमरूद : बरसात के दिनों में अमरूद खाना अच्छा होता है. अमरूद न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है अमरूद में विटामिन सी, आयरन और एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जो पाचन के लिए अच्छा होता है यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है.

अनार : अनार सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. इसे खाने से शरीर में खून की कमी दूर होती है. इसमें विटामिन बी और फोलेट भी भरपूर मात्रा में होता है. अगर आप मानसून में इस फल को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो यह रेड ब्लड सेल्स की संख्या बढ़ाने में फायदेमंद होता है. लेकिन हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों को अनार खाने से बचना चाहिए.

सेब : सेब विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. सेब के नियमित सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और एनर्जी भी मिलती है. मानसून में सेब खाने से वायरल इन्फेक्शन का खतरा कम होता है. सेब में फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए फायदेमंद होते हैं. इनमें पाया जाने वाला फाइबर कब्ज और वजन घटाने के लिए अच्छा माना जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि सेब के नियमित सेवन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित रहता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है.

पपीता : पपीता भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. मानसून में पपीता जरूर खाना चाहिए. पपीते में पपेन एंजाइम होता है. जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है. साथ ही इसे खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. साथ ही इसमें विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में होता है. साथ ही पपीते के पत्तों का जूस डेंगू बुखार में उपयोगी होता है. पपीते के पत्तों का जूस पीने से प्लेटलेट्स बढ़ती हैं. साथ ही यह सिरदर्द, थकान जैसी समस्याओं को भी दूर करता है.

नाशपाती : नाशपाती विटामिन सी से भरपूर होती है. यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है. मानसून में इसे खाना जरूरी है. यह पाचन के लिए भी जरूरी है. यह एक सुपरफूड है. कब्ज से परेशान लोग अगर नाशपाती खाएं तो इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं. क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है. जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए बहुत अच्छा होता है. इसके नियमित सेवन से मल को नरम करने में मदद मिलती है. नाशपाती कॉपर और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है. जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं. जर्नल मॉलिक्यूल्स में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड सूजन को कम करने और टाइप 2 और स्ट्रोक के रिस्क को कम करने में मदद कर सकते हैं.

बलूचिस्तान में ऑनर किलिंग के 13 आरोपी गिरफ्तार

कबीले की मर्जी के खिलाफ पुरुष से रिश्ता था, महिला को सुनसान जगह ले जाकर गोली मारी

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक महिला और पुरुष की बेरहमी से हत्या किए जाने का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह वारदात मई में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के पास एक सुनसान इलाके में हुई थी। अब जब यह वीडियो सामने आया है, तो पूरे देश में आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक ट्राइबल (कबीलाई) नेता भी शामिल है। यह हत्या 'ऑनर किलिंग' यानी इज्जत के नाम पर की गई। स्थानीय जिरगा (कबीलाई पंचायत) ने फैसला सुनाया था कि महिला ने अपने परिवार और कबीले की मर्जी के खिलाफ एक पुरुष से संबंध रखकर परंपराओं का उल्लंघन किया है। इसी आधार पर उसे मौत की सजा दी गई। वायरल वीडियो में दिखता है कि एक एसयूवी और एक पिकअप ट्रक में सवार हथियारबंद लोग एक सुनसान इलाके में पहुंचते हैं। वहां वे महिला और पुरुष को गाड़ी से बाहर

निकालते हैं। महिला को कुरान की एक प्रति दी जाती है। फिर वह स्थानीय ब्राहवी भाषा में एक व्यक्ति से कहती है: आओ, मेरे साथ सात कदम चलो, फिर तुम मुझे गोली मार सकते हो। कुछ कदम चलने के बाद वह कहती है, तुम्हें बस मुझे गोली मारने की अनुमति है, इससे ज्यादा कुछ नहीं। इसके बाद उस व्यक्ति ने पास से पिस्तौल तानकर महिला को गोलियां मार दीं। तीसरी गोली लगने के बाद महिला जमीन पर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद उसी जगह पुरुष को भी गोली मार दी जाती है। वीडियो में यह भी साफ दिखता है कि कुछ लोग दोनों शवों पर भी लगातार गोलियां चला रहे हैं। पुलिस का कहना है कि यह हत्याकांड एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था और इसे 'परंपरा' के नाम पर अंजाम दिया गया। अब तक की जांच में मृतकों की पहचान बानो बीबी और अहसान उल्लाह के रूप में हुई है। पुलिस और सरकार दोनों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि झूठी शान की खातिर हत्या करने के इस मामले में 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि मामले की जांच जारी है। अल-जजीरा के मुताबिक, मृत दंपति का नाम बानो बीबी और एहसान उल्लाह था। बलूचिस्तान के पुलिस अधिकारी सैयद सुबूर आगा ने अल जजीरा को बताया कि एफआईआर में आठ संदिग्धों के नाम हैं और 15 अज्ञात लोग शामिल है।

वे मामले की जांच कर रहे हैं। मामले में और अधिक गिरफ्तारियां हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बानो का भाई भी इस हत्या में शामिल है, वो फिलहाल फरार है। रिपोर्ट के मुताबिक बानो और एहसान को स्थानीय कबायली नेता सरदार शेरबाज खान के सामने पेश किया गया था। शेरबाज ने उनके रिश्ते को गलत ठहराया और उनकी हत्या का आदेश दिया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए संदिग्धों को जानवर कहा। वहीं, बलूच कार्यकर्ता सम्मी दीन बलूच ने गोलीबारी को ऑनर किलिंग बताते हुए इसकी निंदा की और बलूच लोगों से महिलाओं के फैसलों का सम्मान करने की अपील की।

पाकिस्तानी फौज की करतूत, लापता हजारों बलोच

इस्लामाबाद में सड़कों पर शुरू हुआ भीषण विरोध

एजेंसी

राजधानी में जबरदस्त विरोध की लहर दौड़ गई है। लगातार छठे दिन बलूच महिलाएं इस्लामाबाद की सड़कों पर अपना धरना जारी रखे हुए हैं। प्रतिकूल मौसम, पुलिस उत्पीड़न और आवाजाही पर प्रतिबंध के बावजूद, इन महिलाओं ने अपनी मॉगें पूरी होने तक हिलने से इनकार कर दिया है। बलूचिस्तान से लगभग 900 किलोमीटर की यात्रा करके, ये महिलाएँ अपने साथ दर्द और प्रतिरोध की कहानियाँ लेकर आई हैं। बेटों की तलाश में भटकती माताओं से लेकर अपने पिता का चेहरा न देख पाने वाली

बेटियों तक, इस विरोध प्रदर्शन ने प्रांत में जबरन गायब होने के मौजूदा संकट को उजागर कर दिया है। मीडिया से बात करते हुए एक बलूच महिला ने कहा कि मैं महमूद अली की मां हूं... मेरे बेटे को पाकिस्तानी एजेंसियों और सीटीडी ने 18 जून 2024 को लापता कर दिया था... एक साल बीत चुका है, लेकिन हमें नहीं पता कि वह कहां है या किस हालत में है। एक अन्य प्रदर्शनकारी, 10 साल की बच्ची ने बताया, मैं लापता जांजी बलूच की बेटी हूँ। मेरे पिता पिछले 10 सालों से लापता हैं। सीटीडी, सादी वर्दी में पुलिस, एफसी सुबह 3 बजे हमारे घर आए। मैं तब 3 महीने की थी। मैंने अपने पिता का चेहरा भी नहीं देखा है।प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रतिरोध के बावजूद, इस्लामाबाद पुलिस, खासकर महिला अधिकारियों द्वारा, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। प्रशासन ने उन्हें शिविर लगाने की अनुमति नहीं दी है, पहुँच मार्ग बंद कर दिए हैं, और लाठीचार्ज का भी प्रयास किया है, जिससे प्रदर्शन स्थल एक ₹खुली जेल₹ में बदल गया है। इस विरोध प्रदर्शन ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की तीखी आलोचना की है, दोनों ही इस मुद्दे पर चुप रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने मुनीर पर इन गुमशुदगियों के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए कहा, ₹वह बलूचिस्तान में किसी भी घर से रातोंरात किसी के भी पिता, भाई या बेटे का अपहरण कर लेते हैं।

मस्क को गोल्डन डोम प्रोजेक्ट से हटा सकते हैं ट्रम्प

स्पेसएक्स का विकल्प ढूंढ रही अमेरिकी सरकार; अमेजन को मिल सकता है मौका

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अरबपति अरबपति इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम प्रोजेक्ट से बाहर रख सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक 175 अरब डॉलर के इस अहम प्रोजेक्ट के लिए ट्रम्प प्रशासन ने नए विकल्पों को तलाशना शुरू कर दिया है। स्पेसएक्स की जगह इस बार जेफ बेजोस की कंपनी अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर को ही मौका मिल सकता है। इसके अलावा कई दूसरी बड़ी डिफेंस कंपनियां भी रेस में हैं। ट्रम्प और मस्क के बीच पिछले दो महीनों से जारी विवाद को इस बदलाव के पीछे की वजह माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक स्पेसएक्स ने भी इस परियोजना में रुचि नहीं दिखाई है। अमेरिका ने इजराइल के आयरन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तर्ज पर अपना डिफेंस सिस्टम गोल्डन डोम बनाने का फैसला किया है। ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत के एक हफ्ते बाद ही गोल्डन डोम प्रोजेक्ट का ऐलान किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोल्डन मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए 1200 से ज्यादा सैटेलाइट्स लॉन्च करने की योजना बनाई गई है। इसकी मदद से अमेरिका दुश्मन मिसाइलों का अंतरिक्ष में ही पता

लगाकर उन्हें नष्ट करने की तैयारी कर रहा है। यह डिफेंस सिस्टम दुनिया के किसी भी हिस्से से लॉन्च होने वाली मिसाइलों को रोकने में सक्षम होगा। ट्रम्प ने दावा किया है कि गोल्डन डोम अंतरिक्ष से हुए हमलों को भी रोकने के काबिल होगा। गोल्डन डोम प्रोजेक्ट पर करीब 175 बिलियन डॉलर, यानी 14.52 लाख करोड़ रुपए का खर्च आएगा। ट्रम्प ने शुरूआत में 25 बिलियन डॉलर (लगभग 2.05 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने की मंजूरी दे दी है। 17 जुलाई को सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद स्पेस फोर्स के जनरल माइकल गुएटलीन को इस प्रोजेक्ट की कमान सौंप दी गई है। वे ट्रम्प के सबसे भरोसेमंद सैन्य अधिकारियों में से एक माने जाते हैं। उन्हें 30 दिन में टीम बनानी है, 60 दिन में डिजाइन और 120 दिन में पूरी योजना तैयार करनी है। स्पेसएक्स ने अब तक 9 हजार से ज्यादा स्टारलिंक सैटेलाइट लॉन्च किए हैं। कंपनी के पास सरकारी खरीद प्रक्रिया में लंबा अनुभव है। इस वजह से कंपनी अब भी गोल्डन के कुछ प्रमुख हिस्सों, खासकर लॉन्च कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए सबसे आगे है। अमेजन के प्रोजेक्ट कुईपर ने अभी केवल 78 सैटेलाइट लॉन्च किए हैं। लेकिन पेंटागन ने कंपनी को प्रोजेक्ट में शामिल होने का न्योता दिया है। यह संकेत है

कि अब सरकार पारंपरिक रक्षा कंपनियों के साथ-साथ टेक फर्म्स को भी इस डिफेंस सिस्टम में जोड़ना चाहती है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने जनवरी में कहा था कि कुइपर भले ही एक कमर्शियल प्रोजेक्ट है, लेकिन इसकी सैन्य उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता।

बांग्लादेश प्लेन क्रैश- पायलट की आखिरी कोशिश

विमान को आबादी से दूर ले जाना चाहता था, लेकिन नाकाम रहा; मौत का आंकड़ा 31 हुआ

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश में वायुसेना के प्लेन क्रैश में मौत का आंकड़ा 31 हो गया है। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। 165 घायल हैं। इनमें से 78 की हालत गंभीर है। 20 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं। क्रैश हुआ फाइटर जेट चीन में बना एफ-7बीजीआई था। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना

तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया। घटना के कारण सरकार ने एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। वायुसेना ने हाई लेवल जांच शुरू कर दी है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने पुष्टि की है कि विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम की हादसे में मौत हो गई है। हादसे के बाद कई लोग अस्पताल के बाहर ब्लड डोनेट करने के लिए पहुंचे हैं। हादसे के वक्त पास की इमारत में मौजूद छात्रों ने बताया कि प्लेन उनकी बिल्डिंग से टकराया और अगली बिल्डिंग के गेट के पास गिर गया। इससे तुरंत ही वहां आग लग गई। माइलस्टोन स्कूल की आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले दो चचेरे भाई हादसे के वक्त स्कूल के पास मौजूद थे।

दोनों के माता-पिता फोन पर बात करते हुए बार-बार रो पड़ रहे थे। दूसरी तरफ फायर सर्विस ने बताया है कि यह घटना दोपहर 1:18 बजे हुई और उनके यूनिट 1:22 बजे मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य में उत्तरा, टोंगी, पल्लबी, कूर्मिटोला, मीरपुर और पूर्वाचल के आठ फायर स्टेशन की 8 टीमें लगीं।

पार्टी में उनका क्या पद है, वे कौन हैं?

शशि थरूर ने अपने कांग्रेस सहयोगी मुरलीधरन पर किया पलटवार

एजेंसी

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को अपने पार्टी सहयोगी के. मुरलीधरन पर उनके 'थरूर को पार्टी कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया जाता' वाले बयान को लेकर पलटवार किया और उनके दावे के आधार पर सवाल उठाए। थरूर ने पार्टी में मुरलीधरन की स्थिति पर भी सवाल उठाया कि उन्होंने उनके खिलाफ ऐसी टिप्पणी क्यों की और इसके लिए एक वैध आधार की मांग की। मुरलीधरन की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए थरूर ने पूछा, पहले मुझे बताइए, इस दावे का आधार क्या है? उन्होंने पूछा कि जो लोग ऐसी बातें कह रहे हैं, पार्टी में उनका क्या पद है? वे कौन हैं?

कांग्रेस सांसद ने कहा कि ऐसा कहने वालों के पास भी अपने बयान का आधार होना चाहिए। जब तक कोई ठोस आधार न हो, जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है। शशि थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि मुझसे दूसरों के व्यवहार के बारे में बताने के लिए मत कहिए। आप उनसे उनके व्यवहार के बारे में बात कीजिए। मैं सिर्फ.अपने व्यवहार के बारे में ही बात कर सकता हूँ। रविवार को, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि जब तक थरूर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अपना रुख

कांग्रेस सांसद ने कहा कि ऐसा कहने वालों के पास भी अपने बयान का आधार होना चाहिए। जब तक कोई ठोस आधार न हो, जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है। शशि थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि मुझसे दूसरों के व्यवहार के बारे में बताने के लिए मत कहिए। आप उनसे उनके व्यवहार के बारे में बात कीजिए।

नहीं बदलते, उन्हें राज्य की राजधानी में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाएगा।मुरलीधरन ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य थरूर को अब ₹हम में से एक₹ नहीं माना जाता। उन्होंने कहा कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। मुरलीधरन ने कहा, ₹जब तक वह (थरूर) अपना रुख नहीं बदलते, हम उन्हें तिरुवनंतपुरम में आयोजित किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं करेंगे। वह हमारे साथ नहीं हैं, इसलिए उनके किसी कार्यक्रम का बहिष्कार करने का सवाल ही नहीं उठता।₹ वह पत्रकारों द्वारा पूछे गए उस सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर थरूर के अपने रुख पर अड़े रहने के बारे में उनकी राय मांगी गई थी।

दुकानों पर लगाना ही होगा क्यूआर कोड

कांवड़ रूट पर यूपी सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने भी लगा दी अपनी मुहर

अदालत का यह फैसला उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित खाद्य स्टॉल मालिकों को अपनी दुकानों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करने, अपनी पहचान और अन्य जानकारियां बताने का निर्देश दिया गया था।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी होटल मालिकों को वैधानिक लाइसेंसिंग और पंजीकरण आवश्यकताओं का पालन करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि इस स्तर पर, सभी संबंधित होटल मालिकों को वैधानिक रूप से आवश्यक लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र के आदेश का पालन करना होगा। हम स्पष्ट करते हैं कि हम बहस किए जा रहे मुद्दों पर विचार नहीं कर रहे हैं। आवेदन बंद किया जाता है। क्यूआर कोड अनिवार्यता के मुद्दे पर, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वह फिलहाल इस पर विचार नहीं करेगा और कहा कि क्यूआर कोड और इसी तरह के अन्य मुद्दों पर मुख्य याचिका में विचार किया जा सकता है, जो अभी न्यायालय में लंबित है।अदालत का यह फैसला उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित खाद्य स्टॉल मालिकों को अपनी दुकानों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करने, अपनी पहचान और अन्य जानकारियां बताने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वह होटल या ढाबा मालिक का नाम और क्यूआर कोड प्रदर्शित करने संबंधी अन्य मुद्दों पर विचार नहीं कर रही है क्योंकि मंगलवार कांवड़ यात्रा का आखिरी दिन है। पीठ ने कहा कि हमें बताया गया है कि आज यात्रा का आखिरी दिन है। वैसे भी, निकट भविष्य में इसके समाप्त होने की संभावना है। इसलिए, इस समय हम केवल यह आदेश पारित करेंगे कि सभी संबंधित होटल मालिक वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के आदेश का पालन करें। शीर्ष अदालत शिक्षाविद अपूर्वानंद झा और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों द्वारा जारी इसी तरह के निदेशों पर रोक लगा दी थी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद एयर इंडिया के विमान में लगी आग, यात्री सुरक्षित

एयर इंडिया की हांगकांग से आई फ्लाइट के दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद विमान की सहायक विद्युत इकाई में आग लग गई.

एजेंसी

नई दिल्ली: एयर इंडिया के विमान की सहायक विद्युत इकाई में मंगलवार दोपहर दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद आग लग गई. यह घटना तब हुई, जब यात्री विमान से उतर रहे हैं. हालांकि, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं. एयर इंडिया की यह फ्लाइट हांगकांग से आई थी. एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया, 22 जुलाई 2025 को हांगकांग से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट एआई 315 में लैंडिंग और गेट पर पार्किंग के तुरंत बाद एक सहायक विद्युत इकाई (एपीयू) में आग लग गई. यह घटना उस समय हुई जब विमान से यात्री उतरने लगे थे, और सिस्टम डिजाइन के अनुसार एपीयू स्वचालित रूप से बंद हो गया.प्रवक्ता ने कहा कि विमान को कुछ नुकसान हुआ है, जबकि यात्री और चालक दल के सदस्य सामान्य रूप से उतर गए और

सुरक्षित हैं. प्रवक्ता ने आगे कहा, विमान को आगे की जांच के लिए रोक दिया गया है और नियामक को विधिवत सूचित कर दिया गया है.

12 करोड़ रुपये, मुंबई में फ्लैट और बीएसडब्लू कार, महिला की गुजारे भत्ते की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आप काम क्यों नहीं करतीं?

पति का प्रतिनिधित्व कर रहे एक वकील ने पीठ के समक्ष दलील दी कि महिला को काम करना चाहिए और उसकी डिमांड पर आपत्ति जताई. पीठ ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुई महिला से कहा कि वह अपने अलग हुए पति के पिता की संपत्ति पर दावा नहीं कर सकती. महिला ने पीठ के समक्ष दलील दी कि वह मुंबई में एक घर, 12 करोड़ रुपये का भरण-पोषण भत्ता और एक महंगी बीएमडब्ल्यू कार चाहती है.

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने मंगलवार को एक टइअ ग्रेजुएट महिला को सुझाव दिया कि वह अपने पति से गुजारा भत्ते के रूप में 12 करोड़ रुपये, मुंबई में एक घर और एक इटह कार की फिजूलखर्ची की मांग करने के बजाय एक अच्छी नौकरी ढूंढे. महिला शादी के 18 महीने बाद अपने पति से अलग हो गई थी.

गुजारा भत्ता मामले की सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि महिला सुशिक्षित है और गुजारा भत्ते के लिए पति के पैसों पर निर्भर रहने के बजाय

अपने लिए अच्छी कमाई करने की क्षमता रखती है. पीठ ने कहा, आप इतनी पढ़ी-लिखी हैं. आपको अपने के लिए भत्ता मांगना नहीं चाहिए बल्कि खुद को काम करके खाना चाहिए.

18 महीने चली शादी

पीठ ने महिला की शादी को मुश्किल से 18 महीने तक चलने की ओर इशारा किया और पति की ओर से उसकी अत्यधिक डिमांड पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, आपकी शादी सिर्फ 18 महीने ही चली और अब आप इटह भी चाहती हैं? और हर महीने एक करोड़? पति के वकील ने पीठ को बताया कि नौकरी छोड़ने और टैक्स रिटर्न दाखिल करने के बाद उनकी आय में भारी गिरावट आई है.

'आप काम क्यों नहीं करतीं?'

पीठ ने महिला से कहा, आप एक आईटी एक्स्पर्ट हैं. आपने एमबीए किया है. बेंगलुरु और हैदराबाद में आपकी डिमांड है... आप काम क्यों नहीं करतीं? महिला ने पीठ के सामने दलील दी कि उसका पति बहुत अमीर है और वह यह दावा करते हुए विवाह को अमान्य घोषित करने की मांग कर रहा है कि वह सिजोफ्रेनिया से पीड़ित है. महिला ने पूछा, क्या मैं सिजोफ्रेनिया से पीड़ित दिखती हू, माय लॉर्ड?महिला ने बताया कि उसका पति एक मल्टीनेशनल बैंक में काम करता है